■ कार्तिक शुक्ल - 8 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 104 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 09-11-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा ने पूरे देश में लोगों को धार्मिक आधार पर बांटने का प्रयास किया : राहुल

6 मदरसों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने में परहेज क्यों?

7 संत तुकाराम के साथ हिंदी सिनेमा में डेब्यू करेंगी शीना चौहान

एक हैं तो सेफ हैं : प्रधानमंत्री मोदी

कांग्रेस पर 'विभाजनकारी' राजनीति का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धुले/नासिक/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान की शुरुआत 'एक हैं, तो सेफ हैं' के एकता संदेश के साथ की। उनका यह आह्वान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नारे 'बटेंगे तो कटेंगे' के कुछ दिनों के बाद ही आया है।

मोदी ने इस दौरान महाराष्ट्र में कांग्रेस के सहयोगियों को चुनौती दी कि वह नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से 15 मिनट के लिए हिंदुत्व विचारक वी डी सावरकर और शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की प्रशंसा में बुलवाकर दिखाएं। दिन में दो चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए भाजपा के स्टार प्रचारक ने कांग्रेस पर एक जाति को दूसरी जाति से लड़ाने की 'विभाजनकारी' राजनीति का आरोप लगाया और कहा कि पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के दिनों से ही पार्टी आरक्षण की विरोधी रही है।

सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के लिए वोट मांगते हुए उन्होंने विकास के एजेंडे का जिक्र किया और महा विकास अघाडी (एमवीए) को दिशाहीन के तौर पर प्रस्तुत करने का प्रयास करते हुए कहा कि विपक्षी धड़ा बिना पहियों या ब्रेक वाले वाहन जैसा है और जहां चालक की सीट पर कब्जा करने के लिए सहयोगियों के बीच लड़ाई है।

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले मतदान के लिए उत्तर महाराष्ट्र के धुले में अपनी पहली रैली में मोदी ने कांग्रेस पर एक जाति को दूसरी के खिलाफ खड़ा करने का आरोप लगाया और लोगों से एकजुट रहने की अपील की।

भारत वैश्विक महाशक्तियों की सूची में शामिल होने का हकदार : पुतिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि भारत वैश्विक महाशक्तियों की सूची में शामिल होने का हकदार है क्योंकि इसकी अर्थव्यवस्था वर्तमान में किसी भी अन्य देश की तुलना में तेजी से बढ़ रही है।

सोचि में 'वल्दाई डिस्कशन क्लब' के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए पुतिन ने बृहस्पतिवार को यह भी कहा कि भारत के साथ रूस सभी दिशाओं में संबंध विकसित कर रहा है और द्विपक्षीय संबंधों में एक-दूसरे पर दोनों देशों का गहरा विश्वास है। उन्होंने कहा, डेढ़ अरब की आबादी, दुनिया की सभी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज प्रगति, प्राचीन संस्कृति और भविष्य में विकास की बहुत अच्छी संभावनाओं की वजह से भारत को नि:संदेह महाशक्तियों की सूची में शामिल किया जाना चाहिए। भारत को महान देश बताते हुए पुतिन ने कहा, हम भारत के साथ सभी दिशाओं में संबंध विकसित कर रहे हैं। भारत एक महान देश है, अब जनसंख्या के मामले में सबसे बड़ा देश है जहां की आबादी 1.5 अरब है और साथ ही जहां हर साल आबादी में एक करोड़ की वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि भारत आर्थिक प्रगति में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है।

भ्रष्टाचार एक बीमारी, जड़ से खत्म किया जाना जरूरी : मुर्मु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भ्रष्टाचार को एक बड़ी बीमारी करार देते हुए आज कहा कि इसे जड़ से खत्म किया जाना चाहिए। श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को यहां केंद्रीय सतर्कता आयोग के सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर अपने संबोधन में यह बात कही ।

राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार ने भ्रष्टाचार से निपटने के लिए अनेक पहल की हैं। इस संदर्भ में उन्होंने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना, ई मार्केटप्लेस और आर्थिक अपराधी अधिनियम जैसी पहलों का उल्लेख किया। राष्ट्रपति ने कहा कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित किया जाता है। विश्वास किसी भी समाज की नींव होता है जबकि भ्रष्टाचार समाज में विश्वास को कम करता है।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय मामले में

उच्चतम न्यायालय ने 1967 का अपना फैसला पलटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उच्चतम न्यायालय ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय मामले में 1967 का अपना एक फैसला पलटते हुए शुक्रवार को कहा कि किसी संस्थान को सिर्फ इसलिए अल्पसंख्यक दर्जा देने से इनकार नहीं किया जा सकता कि वह संसदीय कानून द्वारा स्थापित किया गया है।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात सदस्यीय संविधान पीठ ने बहुमत के आधार पर अजीज बाशा मामले में 1967 के फैसले को खारिज कर दिया, जो अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को कानून द्वारा बनाए जाने के कारण अल्पसंख्यक दर्जा से वंचित करने का आधार बना था।

पीठ ने कहा कि अल्पसंख्यक संस्थान की स्थापना अल्पसंख्यक द्वारा की जा सकती है, लेकिन जरूरी नहीं कि उसे अल्पसंख्यक सदस्यों द्वारा ही प्रशासित किया जाए।

मुख्य न्यायाधीश ने स्वयं और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति जे बी पार्दीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की ओर से बहुमत का फैसला सुनाया। हालांकि, न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा ने अपने-अपने असहमति वाले फैसले दिए। बहुमत के आधार पर फैसला देने वाले न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने यह भी कहा कि संस्थान का अल्पसंख्यक दर्जा कानून द्वारा बनाए जाने के कारण खत्म नहीं होता।

अदालत ने बहुमत के फैसले में कहा कि किसी संस्थान को सिर्फ इसलिए अल्पसंख्यक दर्जा देने से इनकार नहीं किया जा सकता कि वह संसदीय कानून द्वारा स्थापित किया गया है। अदालत ने कहा ऐसी स्थापना और अन्य पहलुओं से जुड़े विभिन्न कारकों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। अदालत ने कहा कि यह साबित करना भी जरूरी नहीं है कि अल्पसंख्यक संस्थान का प्रशासन ऐसे अल्पसंख्यक समूह के पास है।

शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि अल्पसंख्यक संस्थान धर्मनिरपेक्ष शिक्षा पर जोर देना चाह सकते हैं और इसके लिए प्रशासन में अल्पसंख्यक सदस्यों की आवश्यकता नहीं है।

इजराइली फुटबॉल प्रशंसकों से की गई हिंसा में पांच लोग घायल, 62 व्यक्ति गिरफ्तार

एम्सटर्डम/एपी। नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में फुटबॉल मैच के बाद यहूदी विरोधी दंगाइयों ने इजराइली समर्थकों पर हमला किया, जिसके बाद पांच लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया जबकि 62 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। एम्सटर्डम पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उसने हिंसा की अलग-अलग घटनाओं की जांच शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस ने बृहस्पतिवार रात हुई हिंसा में घायल हुए लोगों और हिरासत में लिए गए व्यक्तियों के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। इससे पहले एम्सटर्डम की महानगरपालिका, पुलिस और अभियोजन कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि एजेक्स और मैकाबी तेल अवीव टीमों के बीच खेला गया यूरोपा लीग का मैच बहुत ही व्यवधानपूर्ण रहा, जिसमें मैकाबी के समर्थकों को निशाना बनाकर हिंसा की कई घटनाएं हुईं।

दो ग्राम रक्षा गार्ड की हत्या के विरोध में जम्मू क्षेत्र में प्रदर्शन, किश्तवाड़ में पूर्ण बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

किश्तवाड़/जम्मू/भाषा। आतंकवादियों के हाथों दो ग्राम रक्षा गार्ड के मारे जाने के खिलाफ शुक्रवार को जम्मू क्षेत्र में कुछ जगहों पर विरोध प्रदर्शन किया गया जबकि किश्तवाड़ में पाकिस्तान के विरूद्ध प्रदर्शनों के साथ पूर्ण बंद रखा गया।

किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा बढ़ा दी गई है जहां लोग अपनी नाराजगी व्यक्त करने के लिए बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरे तथा इन दोनों गार्ड की हत्या में शामिल आतंकवादियों का 'तत्काल सफाया करने' की मांग की। इसी जिले से दो ग्राम रक्षा गार्ड को अगवा कर उनकी हत्या कर दी गई थी। जिले में सभी दुकानें और व्यवसाय बंद रहे। सड़कों पर यातायात नदारद रहा, जबकि स्कूलों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में उपस्थिति कम रही।

आज सुबह कुंतवाड़ा, ठाकुरी, पद्दार और अन्य क्षेत्रों से भी विरोध प्रदर्शन की खबरें आईं, जहां 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारे लगाए गए और सड़कों पर धरना दिया गया। किश्तवाड़ जिले के ऊपरी क्षेत्रों में आतंकवादियों ने दो ग्राम रक्षा गार्ड को अगवा कर उन्हें मार डाला। जैश-ए-मोहम्मद से संबद्ध संगठन 'कश्मीर टाइगर्स' ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है।

इन दोनों गार्ड की नृशंस हत्या के बाद पुलिस और सेना घने जंगल में संयुक्त रूप से सघन तलाशी अभियान चला रही है।

जैसे ही हत्याओं की खबर फैली जिले के द्राबशाला इलाके में सैकड़ों लोग इकट्ठा हो गए और 'भारत माता की जय' के नारे लगाने लगे। उन्होंने टायर जलाए और सड़कें जाम कर दीं। उन्होंने पाकिस्तान और आतंकवादियों के खिलाफ भी नारे लगाए। किश्तवाड़ शहर में सनातन धर्म सभा के तत्वाधान में महिलाओं की अगुवाई में एक विरोध मार्च निकाला गया। प्रदर्शनकारी महिलाएं मुख्य चौक पर बैठ गईं, उन्होंने टायर एवं पाकिस्तानी झंडे को जलाया।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.67 अरब डॉलर घटकर 682.13 अरब डॉलर पर

मुंबई/भाषा। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार एक नवंबर को समाप्त सप्ताह में 2.67 अरब डॉलर घटकर 682.13 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.46 अरब डॉलर घटकर 684.80 अरब डॉलर रहा था। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था।

आरबीआई के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, एक नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.90 अरब डॉलर घटकर 589.84 अरब अमेरिकी डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.22 अरब डॉलर बढ़कर 69.75 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार 10 लाख डॉलर घटकर 18.21 अरब डॉलर रह गया।

मूल्य आधारित और राष्ट्रवादी शिक्षा के लिए आजीवन संघर्षरत रहे दीनानाथ बत्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े शिक्षाविद दीनानाथ बत्रा का बृहस्पतिवार को निधन हो गया। वह 94 वर्ष के थे। पंजाब में एक स्कूल शिक्षक से लेकर आरएसएस द्वारा संचालित विद्यालयों की संस्था विद्या भारती के प्रमुख बनने तक बत्रा को मूल्य-आधारित और 'राष्ट्रवादी' शिक्षा की वकालत करने के लिए याद किया जाता रहेगा।

विद्या भारती आज 12,000 विद्यालयों का संचालन करती है जिनमें 32 लाख से अधिक छात्र अध्ययनरत हैं। बत्रा 2011 में कुछ पुस्तकों के खिलाफ मुकदमे दायर करने को लेकर खबरों में रहे थे। इनमें किताब 'वेंडी डोनिगरर्स हिंदूज: एन आल्टरनेटिव हिस्ट्री' शामिल है। उन्होंने किताब को 'गैर-भारतीय' करार दिया था और हिंदुत्व की उसकी व्याख्या का विरोध किया था। प्रकाशक ने न केवल इस विवादास्पद किताब को 2014 में भारतीय बाजारों से वापस ले लिया बल्कि इसके प्रकाशन, वितरण और बिक्री को रोकने तथा छप चुकीं किताबों को नष्ट करने पर सहमति जताई। बत्रा ने ए के रामानुजन के निबंध 'थ्री हंड्रेड रामायणाज' के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी जिसके बाद इसे 2011 में दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास के पाठ्यक्रम से हटा लिया गया था। उन्होंने एक जनहित याचिका दायर करके राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद को भी अदालत में घसीटा था। जनहित याचिका में माध्यमिक विद्यालय के इतिहास और सामाजिक विज्ञान के पाठ्यक्रम की सामग्री पर 70 आपत्तियां उठाई गई थीं।

हिमाचल प्रदेश में 'समोसा राजनीति' को लेकर कांग्रेस सरकार 'हंसी का पात्र' बन गई है: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को अल्पाहार परोसने के मामले को लेकर हुए विवाद के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के पूर्व प्रमुख सतपाल सत्ती ने शुक्रवार को दावा किया कि कांग्रेस सरकार 'समोसे की जांच' का आदेश देकर 'हंसी का पात्र' बन गई है।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू के बजाय चूक वश उनके स्टॉफ को अल्पाहार परोस दिए जाने के मामले ने तब तूल पकड़ लिया जब सीआईडी जांच में इस गलती को सरकार विरोधी कृत्य बताया गया।

अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) मुख्यालय में 21 अक्टूबर को एक समारोह में भाग लेने गए मुख्यमंत्री को परोसने के लिए लक्कड़ बाजार स्थित एक होटल से समोसे और केक लाया गया था। हालांकि, पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारी द्वारा की गई जांच की रिपोर्ट के अनुसार खाने की चीजें समन्वय की कमी के कारण सुरक्षा कर्मचारियों को परोसी गई थीं। सत्ती ने यहां जारी एक बयान में कहा, पुलिस को छोटे-मोटे मामलों पर अपना समय बर्बाद करने के बजाय मुख्यमंत्री कार्यालय से लेकर सचिवालय तक के अनेक घोटालों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा, इतने छोटे से मामले की जांच कराना और फिर उसे सरकार विरोधी कृत्य बता देना आश्चर्यजनक है। मुझे लगता है कि कांग्रेस सरकार को लोगों की कोई चिंता नहीं है, क्योंकि उनकी मुख्य चिंता यह है कि उनके समारोहों में समोसे कैसे परोसे जा रहे हैं। यह सरकार पूरी तरह विफल हो चुकी है और हंसी का पात्र बन गई है।

मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने हालांकि दावा किया कि राज्य सरकार ने किसी जांच का आदेश नहीं दिया है और यह सीआईडी का आंतरिक मामला हो सकता है। चौहान ने कहा, इस घटना का सरकार से कोई लेना-देना नहीं है। कुछ लोग सरकार को बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं। भाजपा को जिम्मेदार विपक्ष की तरह व्यवहार करना चाहिए।

वीवीआईपी संस्कृति का सबसे बड़ा प्रतीक बन गए हैं केजरीवाल: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 'वीवीआईपी संस्कृति का सबसे बड़ा प्रतीक' करार दिया और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि जब वह मुख्यमंत्री थे तो उनके आवास में लगभग 12 करोड़ रुपए की टॉयलेट सीट सहित अन्य महंगे उपकरणों और वस्तुओं का इस्तेमाल हुआ था।

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने एक संवाददाता सम्मेलन में इसके लिए भ्रष्टाचार विरोधी कार्यकर्ता केजरीवाल के 2013 के एक सोशल मीडिया पोस्ट का जिक्र किया जिसमें उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित पर यह कहते हुए हमला बोला था कि उनके आवास में बाथरूम सहित 10 एसी हैं।

भाटिया ने कहा कि केजरीवाल ने तब उन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था और सवाल उठाया था कि जब दिल्ली की 40 प्रतिशत से अधिक आबादी झुग्गियों में रहती है तो कोई मुख्यमंत्री इतने आराम से कैसे रह सकता है।

केजरीवाल के मुख्यमंत्री पद छोड़ने और अपने आधिकारिक आवास से निकलने के बाद आधिकारिक दस्तावेजों का हवाला देते हुए भाजपा नेता ने कहा कि 21,000 वर्ग फुट निर्मित क्षेत्र में फैले बंगले में 50 एसी के अलावा 250 टन का एयर कंडीशनिंग प्लांट था और इसमें 12 करोड़ रुपए की टॉयलेट सीट और 28.91 लाख रुपए का टीवी था।

भाटिया ने कहा कि अगर शीला दीक्षित 10 एसी रखने के लिए गलत और भ्रष्ट हैं, तो केजरीवाल इस विलासिता का वर्णन कैसे करेंगे?

भाजपा प्रवक्ता ने उन पर उस राजनीतिक विचारधारा को दफन करने का आरोप लगाया जिसने उन्हें सत्ता तक पहुंचाया। उन्होंने कहा, वह वीवीआईपी संस्कृति का सबसे बड़ा प्रतीक बन गए हैं। अरविंद केजरीवाल भारत के सबसे भ्रष्ट राजनेता हैं। अगर उनमें नैतिक साहस है तो उन्हें जवाब देना चाहिए।

भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया कि लोग केजरीवाल को राजनीतिक रूप से खत्म कर देंगे। उन्होंने कहा कि वह ऐसे नेता थे जिन्होंने अपने बच्चों के नाम पर कसम खाई थी कि वह पारंपरिक नेताओं की तरह बड़े बंगलों का इस्तेमाल कभी नहीं करेंगे। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर संविधान के कवर के साथ कथित तौर पर एक पुस्तिका की प्रति ले जाने के लिए भी निशाना साधा, जिसमें खाली पन्ने थे। कांग्रेस ने इस दावे को खारिज कर दिया है।

राहुल और अन्य विपक्षी नेताओं के इस दावे पर कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार संविधान विरोधी है, भाटिया ने कहा कि भाजपा सरकार ने वास्तव में संविधान द्वारा दिए गए विचारों को आगे बढ़ाने के लिए काम किया है।

भाजपा सरकार को प्रमोद महाजन की हत्या के 'षड़यंत्र' की जांच करनी चाहिए : प्रकाश महाजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिवंगत नेता प्रमोद महाजन के भाई प्रकाश महाजन ने शुक्रवार को कहा कि सरकार को प्रमोद महाजन की मौत की सच्चाई का पता लगाना चाहिए। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) नेता प्रकाश महाजन की इस मांग से पहले प्रमोद महाजन की बेटी व सांसद पूनम महाजन ने एक समाचार चैनल से बात करते हुए दावा किया था कि उनके पिता की गोली मारकर हत्या एक साजिश थी।

भाजपा के दिग्गज नेता रहे प्रमोद महाजन को 22 अप्रैल 2006 को उनके भाई प्रवीण महाजन ने मुंबई में उनके घर में गोली मार दी थी। उसी साल तीन मई को अस्पताल में उनकी मौत हो गई थी। साल 2010 में पैरोल पर जेल से बाहर आए प्रवीण महाजन की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। प्रकाश महाजन ने पीटीआई-भाषा से कहा, मुझे नहीं पता कि किन परिस्थितियों में पूनम महाजन ने यह दावा किया है। पूनम महाजन बेहतर जानती होंगी क्योंकि मैं यहां था और (उस समय हुई) घटनाओं से अनजान था। अगर यह साजिश है तो यह परिवार के लिए बहुत बड़ी क्षति है। प्रकाश महाजन ने कहा, अगर कुछ हुआ था तो सामने आना चाहिए। प्रमोद महाजन आज के समय की सत्तारूढ़ पार्टी के बड़े नेता थे। पार्टी (भाजपा) को सच्चाई का पता लगाना चाहिए। अगर मुझे पता चल गया कि इस साजिश के पीछे कौन है, तो मैं उसे छोड़ूंगा नहीं।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजापुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में शुक्रवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए।

बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि जिले के उसूर-बासागुड़ा-पामेड़ क्षेत्र के जंगल में हुई इस मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए। सुंदरराज ने बताया कि जिले के उसूर-बासागुड़ा-पामेड़ क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सुरक्षाबलों के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान के लिए भेजा गया था। उन्होंने बताया कि इस अभियान में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कोबरा बटालियन के जवान शामिल थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दल जब आज पूर्वाह्न 11 बजे क्षेत्र में था तब माओवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि गोलीबारी बंद होने के बाद घटनास्थल से दो नक्सलियों के शव, एक सेल्फ लोडिंग राइफल (एसएलआर), हथगोला और स्थानीय रूप से निर्मित हथियार बरामद किए गए।

उद्धव ने हिंदुत्व को 'पाखंड' कहने वालों से हाथ मिला लिया है : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कराड/सांगली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर हमला करते हुए शुक्रवार को कहा कि उन्हें उन लोगों के साथ गठबंधन करने के लिए शर्म आनी चाहिए जो हिंदुत्व को पाखंड कहते हैं, भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाते हैं और आतंकवादी अजमल कसाब को बिरयानी खिलाते हैं।

शाह ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा शरद पवार) प्रमुख शरद पवार पर यह झूठ बोलने का आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में निवेश नहीं आ रहा है। शाह ने पवार पर पलटवार करते हुए कहा कि महा विकास आघाडी (एमवीए) के शासन के दौरान विकास के मामले में राज्य की 'रैंकिंग' गिर गई थी लेकिन अब महायुति सरकार के तहत यह प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित कर रहा है।

राज्य में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पश्चिमी महाराष्ट्र के सातारा जिले के कराड में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को ''झूठ की फैक्टरी'' करार दिया और आरोप लगाया कि वह अग्निपथ योजना के बारे में गलत सूचना फैला रहे हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा कि ठाकरे उन लोगों के साथ बैठे हैं जो हिंदुत्व को 'पाखंड' कहते हैं। उन्होंने कहा, आप उन लोगों के साथ बैठे हैं जिन्होंने अफजल खान और औरंगजेब की कब्रों की रक्षा की। आप उन लोगों के साथ बैठे हैं जो हिंदुओं को आतंकवादी कहते हैं। आप उन लोगों के साथ बैठे हैं जिन्होंने (26/11 मुंबई आतंकवादी हमले के दोषी) अजमल कसाब को बिरयानी खिलाई। आप उन लोगों के साथ बैठे हैं जो भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाते हैं। आपको शर्म आनी चाहिए।

महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद ठाकरे ने कांग्रेस और राकांपा के साथ हाथ मिला लिया था। शाह ने कहा, शरद पवार इस उम्र में भी झूठ बोलने से बाज नहीं आ रहे। वह कहते हैं कि महाराष्ट्र में निवेश नहीं आ रहा है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि उद्धव जी के साथ आपकी सरकार के दौरान महाराष्ट्र की विकास रैंकिंग गिर गई थी लेकिन (देवेंद्र) फडणवीस और (एकनाथ) शिंदे के नेतृत्व वाली हमारी सरकार के सत्ता में आने के बाद महाराष्ट्र में एफडीआई आ रहा है।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फडणवीस और शिंदे के माध्यम से महाराष्ट्र में सड़क संपर्क, समृद्धि एक्सप्रेसवे, मुंबई कोस्टल रोड, अटल सेतु, मुंबई और पुणे में मेट्रो ट्रेनें, सिंचाई परियोजनाओं जैसी कई परियोजनाएं शुरू की हैं।

सातारा को वीरों की भूमि बताते हुए उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के हजारों युवा सेना में सेवारत हैं। उन्होंने कहा, इंदिरा गांधी ने 'एक रैंक एक पेंशन' का वादा किया था लेकिन कांग्रेस के 40 साल तक सत्ता में रहने के बावजूद वादा पूरा नहीं किया गया। मोदी ने इसे पूरा किया।

लोकपाल ने सेबी प्रमुख बुच से हिंडनबर्ग के आरोपों पर 'स्पष्टीकरण' मांगा

नई दिल्ली/भाषा। भ्रष्टाचार-रोधी निकाय लोकपाल ने अमेरिकी शोध एवं निवेश फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच पर लगाए गए आरोपों के संदर्भ में उनसे 'स्पष्टीकरण' देने को कहा है। एक लोकसभा सांसद और दो अन्य लोगों ने बुच के खिलाफ इस बारे में शिकायत दर्ज कराई थी।

एक आधिकारिक आदेश के मुताबिक, लोकपाल ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) प्रमुख के खिलाफ आई शिकायतों पर शुक्रवार को उनसे स्पष्टीकरण मांगा। बुच से चार सप्ताह के भीतर अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया है। हालांकि, लोकपाल ने यह स्पष्ट किया है कि उसका आदेश केवल 'प्रक्रियागत निर्देश' है और 'इस मामले में किसी भी तरह से उसकी राय नहीं अभिव्यक्त करता है। लोकपाल का यह आदेश कहता है, हम नामित प्रतिवादी लोक सेवक (आरपीएस) को संबंधित शिकायतकर्ता की तरफ से उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों और संबंधित हलफनामे में विस्तार से बताए गए आरोपों के बारे में स्पष्टीकरण देने के लिए बुलाना उचित समझते हैं।

खपत बढ़ाने के लिए गुणवत्ता सुधार पर जोर दे रहा है चाय उद्योग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। चाय उद्योग ने उपभोक्ताओं को सुरक्षित और उपयुक्त पेय सुनिश्चित करने के लिए शुक्रवार को चाय की गुणवत्ता में सुधार के ऊपर जोर दिया जो इसकी खपत को बढ़ाने में भी सहायक होगा।

भारतीय चाय संघ (आईटीए) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए इसके चेयरमैन हेमंत बांगुर ने कहा कि उत्पादित चाय की गुणवत्ता और सुरक्षा पर उद्योग का ध्यान जा रहा है। उन्होंने कहा, कीटनाशकों के विवेकपूर्ण उपयोग के बारे में सभी संबंधित लोगों के बीच जागरूकता का बढ़ता स्तर उद्योग के लिए शुभ संकेत है। असम, पश्चिम बंगाल की राज्य सरकारें और चाय बोर्ड बेहतर अनुपालन के पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने में सक्रिय रहे हैं। बांगुर ने कहा कि उत्पादकों का निकाय बागान संघों की परामर्शदात्री समिति (सीसीपीए) अखिल भारतीय स्तर पर खुदरा दुकानों से प्राप्त चाय का परीक्षण कर रही है। बांगुर ने कहा कि इन प्रगतिशील कदमों से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में गुणवत्ता, अनुपालन और खपत को बढ़ाने में मदद मिलेगी, जबकि टिकाऊ चाय के उत्पादन को सशक्त किया जाएगा। उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दशकों में छोटे चाय उत्पादकों (एसटीजी) और खरीदी गई पत्ती कारखानों (बीएलएफ) की वृद्धि के साथ उत्पादन संरचना में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है।

बीएलएफ का अर्थ ऐसा चाय कारखाना है जो चाय उत्पादन के प्रयोजन के लिए किसी कैलेंडर वर्ष के दौरान चाय पत्ती की जरूरत का कम से कम दो-तिहाई भाग अन्य चाय उत्पादकों से प्राप्त करता है। एसटीजी कुल उत्पादन में 50 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहे हैं।

केदारनाथ में गड्ढ़ों में डाला जा रहा है अशोधित कचरा, आरटीआई से हुआ खुलासा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। प्रसिद्ध हिमालयी धाम केदारनाथ के चारों ओर गड्ढों में कई टन अशोधित कचरा डाले जाने से पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्र को लेकर पर्यावरण प्रेमियों में चिंता पैदा हो गई है।

उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित एक पर्यावरणविद द्वारा सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत ली गई जानकारी के अनुसार, केदारनाथ में 2022 से 2024 के बीच पैदा हुए कुल 49.18 टन अशोधित कचरे को मंदिर के निकट दो गड्ढों में भरा गया। उत्तराखंड सरकार द्वारा एक सवाल के जवाब में कहा गया है कि इस अवधि के दौरान क्षेत्र में पैदा हुए अशोधित कचरे में लगातार वृद्धि हुई है। वर्ष 2022 में 13.20 टन कचरा, 2023 में 18.48 टन कचरा और इस साल अब तक 17.50 टन कचरा पैदा हुआ। इसके अलावा, पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में इस अवधि में 23.30 टन अकार्बनिक कचरा भी पैदा हुआ।

आरटीआई कार्यकर्ता अमित गुप्ता के सवाल के जवाब में केदारनाथ नगर पंचायत के लोक सूचना अधिकारी ने बताया कि हालांकि, इस सारे कचरे को पुनर्चक्रित कर लिया गया है।

गुप्ता ने कहा, आरटीआई से प्राप्त हुए आंकड़े कूड़ा उत्पन्न होने की मात्रा और उसे अशोधित छोड़ दिए जाने, दोनों की दृष्टि से चौंकाने वाले हैं। इसने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि पारिस्थितकीय रूप से संवेदनशील केदारनाथ में कूड़ा प्रबंधन की कोई प्रणाली नहीं है। उन्होंने कहा, मंदिर 12,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित है जहां हिमनद भी हैं। क्षेत्र की पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता शक से परे है। केदारनाथ में उचित कूड़ा प्रबंधन के अभाव को पिछले साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में भी स्थान मिला था। फिर भी अधिकारियों द्वारा प्लास्टिक कूड़े को मैदान तक लाने और उसे पुनर्चक्रित करने के लिए धरातल पर कुछ नहीं किया गया।

उद्योग जगत ने आगामी बजट से लगाई उम्मीदें, सरकार को सौंपी सिफारिशें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उद्योग जगत ने आगामी बजट में सीमा शुल्क के लिए माफी योजना, व्यक्तियों और एलएलपी फर्मों के लिए कर दरों में कटौती, कर अनुपालन को सुगम बनाने, अपीलों की त्वरित निगरानी और एक समर्पित विवाद समाधान प्रणाली के गठन की मांग रखी है।

देश के चारों प्रमुख उद्योग निकायों- सीआईआई, फिक्की, एसोचैम और पीएचडीसीसीआई के प्रतिनिधियों ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट से जुड़ी अपनी इन अपेक्षाओं से सरकार को अवगत कराया है। उद्योग मंडलों ने वित्त मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों के साथ आयोजित अलग-अलग बैठकों में एक फरवरी, 2025 को पेश किए जाने वाले आगामी बजट के संबंध में विस्तृत सिफारिशें पेश की हैं। फिक्की ने पिछले बकाया शुल्क को चुकाने के लिए एकमुश्त निपटान योजना के रूप में 'सीमा शुल्क के तहत माफी योजना' लाने की मांग रखते हुए कहा है कि इससे उद्योग को मुकदमेबाजी के बोझ को कम करने में मदद मिलेगी।

इसी तरह एसोचैम ने भी सीमा शुल्क के तहत एक व्यापक कर माफी योजना शुरू करने की वकालत की है। एसोचैम ने कहा, सरकार पिछले मुकदमों को निपटाने के लिए एकमुश्त निपटान योजना लाने पर विचार कर सकती है। उद्योग मंडलों ने टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) के संबंध में सरलीकृत अनुपालन और प्रभावी एवं समयबद्ध विवाद समाधान के लिए एक नए स्वतंत्र विवाद समाधान मंच की शुरुआत की भी मांग की है।

फिक्की ने महिलाओं को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार से डे-केयर (कामकाजी अवधि के दौरान बच्चों की देखभाल) खर्चों की भरपाई को रियायती कराधान से छूट देने का आग्रह किया। पीएचडीसीसीआई ने व्यक्तियों और सीमित देयता भागीदारी (एलएलपी) फर्मों के लिए कराधान की दरों में कटौती, वैधानिक अवधि शुरू कर बिना आमने-सामने आए यानी फेसलेस अपीलों पर तेजी से नजर रखने, पेशेवरों के लिए अनुमानित कर योजना की सीमा बढ़ाने, पीएलआई योजना का दायरा अन्य क्षेत्रों में बढ़ाने से संबंधित सुझाव प्रस्तुत किए। पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष हेमंत जैन ने कहा, उम्मीद है कि केंद्रीय बजट का आकार बढ़कर वर्ष 2025-26 के लिए 51 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो जाएगा और पूंजीगत व्यय का विस्तार 13 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो जाएगा। इसके साथ ही एसोचैम ने कुछ टीडीएस चूक को अपराध की श्रेणी से बाहर करने की भी मांग की है। उसने कहा कि आपराधिक कार्यवाही केवल तभी होनी चाहिए जब करदाता ने सरकार की कीमत पर खुद को समृद्ध किया हो।

केंद्रीय मंत्री मुरुगन ने थेनी में महिला किसानों और उद्यमियों के लिए संसाधन केंद्र का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने 8 नवंबर को थेनी आईसीएआर कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके-सीईएनडीईसीटी) में महिला किसानों और उद्यमियों के लिए एक नए जिला संसाधन केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने आज तमिलनाडु के थेनी में महिला किसानों और उद्यमियों के लिए एक राज्य स्तरीय सम्मेलन का भी उद्घाटन किया।

इस कार्यक्रम में महिला किसानों की उपलब्धियों का जश्न मनाया गया और इसका उद्देश्य पारंपरिक खेती से बागवानी में उद्यमिता की ओर उनके संक्रमण का समर्थन करने के लिए अतिरिक्त संसाधन प्रदान करना था। कार्यक्रम के दौरान, बागवानी और मूल्य-संवर्धित उत्पाद निर्माण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिला किसानों को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया गया तथा उनकी दृढ़ता और नवोन्मेषी भावना को मान्यता दी गई।

केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने कहा, इस तरह के कार्यक्रम ग्रामीण समुदायों को ऊपर उठाते हैं और महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमशीलता उपक्रमों और महिलाओं के बीच आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देकर हमारे देश के आर्थिक ताने-बाने को मजबूत करते हैं।

यह सहयोग महिलाओं को कृषि और व्यवसाय दोनों में आगे बढ़ने में सक्षम बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

सेंडेक्ट आईसीएआर केवीके के अध्यक्ष डॉ. पी. पचैमाल ने कहा, हमें अपने समुदायों में महिलाओं के उत्थान के लिए साझेदारी में इस संसाधन केंद्र को लॉन्च करने की खुशी है। हमारा मानना है कि आर्थिक सशक्तिकरण सतत विकास के लिए उत्प्रेरक है। यह सहयोग एक सकारात्मक प्रभाव पैदा करेगा, व्यक्तिगत खेत स्तर पर सार्थक बदलाव लाएगा और पूरे समुदाय में गूंजेगा।

आईसीएआर केवीके, सेंडेक्ट भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एक जिला स्तरीय कृषि प्रशिक्षण, विस्तार और अनुसंधान संस्थान है। इसे थेनी जिले के किसानों के लाभ के लिए मार्च 1995 में शुरू किया गया था।

इसका उद्देश्य प्रशिक्षण और प्रदर्शनों के माध्यम से किसानों, कृषक महिलाओं, ग्रामीण युवाओं और विस्तार कार्यकर्ताओं को कृषि योग्य प्रौद्योगिकियों को हस्तांतरित करना है। केंद्र का मुख्य उद्देश्य करके सिखाने और करके सीखने के सिद्धांतों को अपनाते हुए, कार्य अनुभव के माध्यम से किसानों को नवीनतम तकनीकी ज्ञान प्रदान करना है।

चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का हुआ समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी ने केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशों के तहत 28 अक्टूबर से 03 नवम्बर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 मनाया है, जिसका विषय है 'राष्ट्र की समृद्धि के लिए अखंडता की संस्कृति' सतर्कता जागरूकता सप्ताह की प्रस्तावना के रूप में 16 अगस्त से 15 नवम्बर तकअभियान अवधि के दौरान आयोग की इच्छानुसार निवारक सतर्कता पर कई कार्यक्रम और आउटरीच गतिविधियाँ आयोजित की गई हैं।

चेन्नई पोर्ट और इंडियन बैंक ने संयुक्त रूप से 30 अगस्त को सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 के लिए एक पूर्वावलोकन कार्यक्रम आयोजित किया, जिसका उद्घाटन सतर्कता आयुक्त और सचिव, सीवीसी द्वारा किया गया, जिसके बाद निदेशक, सीवीसी द्वारा चेन्नई स्थित सार्वजनिक उपक्रमों/सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के सतर्कता अधिकारियों के लिए शिकायत निवारण तंत्र, शिकायतों की जांच और आयोग नीति पहलों पर तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। उक्त अवधि के दौरान, चेन्नई पोर्ट और कामराजर पोर्ट के अधिकारियों के लिए विभिन्न क्षमता निर्माण पुनश्चर्या प्रशिक्षण/कार्यशालाएं आयोजित की गईं। भ्रष्टाचार विरोधी मुद्दों पर तमिल, अंग्रेजी और हिंदी में निबंध/नारा लेखन और प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई के लिए जनता में जागरूकता फैलाने के लिए लोगनाथ नारायणसामी सरकारी कॉलेज, पोन्नेरी के कॉलेज के छात्रों द्वारा वॉकथॉन कार्यक्रम आयोजित किया गया। युवा मन और खास तौर पर छात्र समुदाय में जागरूकता पैदा करने के लिए कॉलेज और स्कूल के छात्रों के लिए तमिल और अंग्रेजी में निबंध लेखन/तमिल में भाषण/पोस्टर बनाने जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। चेन्नई और आसपास के जिलों के स्कूली छात्रों के लिए ऑनलाइन क्विज़ प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। भ्रष्टाचार से लड़ने में निवारक सतर्कता के महत्व के बारे में जागरूकता लाने के लिए स्वयं सहायता महिला समूहों के लिए रंगोली प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। चेन्नई पोर्ट और कामराजर पोर्ट के अधिकारियों और विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले कॉलेज/स्कूल के छात्रों को भी सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। चेन्नई पोर्ट और कामराजर पोर्ट के अधिकारियों और हितधारकों के परिवार के सदस्यों को ई-सत्यनिष्ठा की शपथ लेने की सलाह दी गई।

वीएडब्लू 2024 के सप्ताह भर चलने वाले उत्सव का समापन समारोह 7 नवम्बर को आयोजित किया गया। एस मुरली कृष्णन आईडीएएस, सीवीओ, सीएचपीए और केपीएल ने निवारक सतर्कता के पहलुओं पर केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा की गई विभिन्न पहलों और जनता और हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला। आइरीन सिंथिया, आईएएस, एमडी, केपीएल ने अपने मुख्य भाषण में सतर्कता अधिकारियों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की और वीएडब्ल्यू के पालन पर जोर दिया, जिसका उद्देश्य नैतिक आचरण, पारदर्शिता, जवाबदेही और आपसी सम्मान के मूल्यों को अपनाने, राष्ट्र के शासन में विश्वास का निर्माण करने, आर्थिक प्रदर्शन को प्रोत्साहित करने, सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा देने और अपने नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना है। एस. विश्वनाथन, आईएएस, उप-अध्यक्ष, सीएचपीए ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि ईमानदारी की संस्कृति निश्चित रूप से देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी और इससे सुशासन में वृद्धि होगी तथा सामाजिक सामंजस्य भी मजबूत होगा और इस प्रकार जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा। अध्यक्ष, सीएचपीए और चेयरमैन, केपीएल द्वारा दिए गए अध्यक्षीय भाषण में, सुनील पालीवाल, आईएएस ने सीवीओ, सीएचपीए और केपीएल द्वारा की गई विभिन्न पहलों की सराहना की और कहा कि सत्यनिष्ठा का अर्थ केवल कानूनों और विनियमों का पालन करना ही नहीं है, बल्कि यह सही काम करने की गहरी प्रतिबद्धता है, तब भी जब कोई देख नहीं रहा हो।

तमिलनाडु सरकार के वाणिज्यिक कर और पंजीकरण विभाग के प्रधान सचिव ब्रजेंद्र नवनीत, आईएएस ने अपने विशेष संबोधन में भ्रष्टाचार से लड़ने और सार्वजनिक प्रशासन में ईमानदारी को बढ़ावा देने में निवारक सतर्कता के महत्व को संवेदनशील बनाने की दिशा में सीवीओ, सीएचपीए और केपीएल द्वारा की गई विभिन्न पहलों की सराहना की और प्रत्येक नागरिक, विशेष रूप से युवा पीढ़ी में ईमानदारी और अन्य अच्छे गुणों को विकसित करने पर जोर दिया, जो निस्संदेह हमारे राष्ट्र की समृद्धि में योगदान देंगे।

तमिलनाडु में समन्वित प्रयासों से डेंगू से होने वाली मौतों की दर में कमी आई : स्वास्थ्य विभाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को कहा कि डेंगू विषाणु को नियंत्रित करने के लिए गहन और समन्वित प्रयासों से राज्य में इस बीमारी से होने वाली मौतों की दर और इसके प्रसार को काफी हद तक कम करने में मदद मिली है। उत्तर-पूर्वी मानसून के दौरान तमिलनाडु में बुखार और डेंगू के मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया, जनवरी से 5 नवंबर तक तमिलनाडु में डेंगू के 20,138 मामले सामने आए हैं लेकिन इससे प्रभावित लोग सफलतापूर्वक ठीक हो गए हैं। दुर्भाग्य से, उचित इलाज पाने में देरी के कारण 8 लोगों की जान चली गई। विज्ञप्ति के अनुसार, मृतकों में चेंगलपट्टू जिले की छह वर्षीय एक बच्ची भी शामिल है। डेंगू के प्रकोप को रोकने और इससे होने वाली मौतों को कम करने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने अद्यतन सूचना में कहा कि गहन प्रयासों के कारण पिछले वर्षों की तुलना में इस बार डेंगू के मामलों में कमी आई है। विज्ञप्ति के अनुसार, तमिलनाडु में डेंगू के मामलों की संख्या इस साल घटकर 20,138 रह गई, जो 2023 में 29,401 और 2022 में 30,425 थी।

हिंदुस्तान इंस्टीटयूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड साइंस ने दक्षिण कोरियाई विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हिंदुस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (एचआईटीएस) ने दक्षिण कोरिया स्थित ग्लोबल साइबर यूनिवर्सिटी (जीसीयू) के साथ शैक्षिक सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूती प्रदान करने के लिए कदम आगे बढ़ाया है। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर ग्लोबल साइबर यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष गोंग व्योंग योंग तथा हिंदुस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड साइंस के कुलपति डॉक्टर आनंद जैकब वर्गीस ने किया।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉक्टर आनंद जैकब वर्गीस ने कहा कि सन 2020 में ग्लोबल साइबर यूनिवर्सिटी की उनकी यात्रा आज सफल रही जो यह दर्शाती है कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग शिक्षा और मानवीय प्रयासों में सार्थक भाव किस प्रकार से पैदा कर सकता है। उन्होंने कहा कि शैक्षिक सहयोग हेतु किए गए इन प्रयासों से हमारे छात्रों में अत्याधुनिक शैक्षिक दृष्टिकोण का निर्माण होगा जो हमारे संस्थान के लिए गर्व की बात है। ग्लोबल साइबर यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष गोंग व्योंग योंग ने भविष्य के सहयोग के बारे में आशा व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि दोनों विश्वविद्यालय क्रेडिट एक्सचेंज के अलावा एआई युग में कोरिया और भारत में उच्च शिक्षा की दिशा में टिकाऊ पृथ्वी और मानवता के भविष्य पर संयुक्त सेमिनार जैसे अधिक उन्नत विनिमय गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी ऐसे समय में हो रही है जब भारत में शिक्षा की लोकप्रियता बढ़ रही है।

डॉ. किरण बेदी द्वारा लिखित पुस्तक फियरलेस गवर्नेंस के फ्रेंच अनुवाद का लोकार्पण

चेन्नई। पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने डॉ. किरण बेदी की बहुचर्चित कृति फियरलेस गवर्नेंस के फ्रेंच अनुवाद की पुस्तक का विमोचन किया, जिसका अब शीर्षक है उने गवर्नेंस सैंस पेउर । यह कार्यक्रम आज जवाहरलाल नेहरू ऑडिटोरियम में हुआ, जो नेतृत्व, शासन और सार्वजनिक सेवा पर इस महत्वपूर्ण कार्य की अंतर्राष्ट्रीय शुरुआत को चिह्नित करता है। यह लॉन्च पांडिचेरी विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विभाग और फ्रेंच विभाग की संयुक्त पहल थी। इसने फ्रेंच भाषी दुनिया को डॉ. बेदी के निर्भीक नेतृत्व पर साहसिक विचारों से परिचित कराया, जिसमें शासन के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी, जवाबदेही और साहस पर जोर दिया गया। फ्रेंच अनुवाद पाठकों को नेतृत्व पर एक नया दृष्टिकोण प्रदान करता है जो मूल्यों और सकारात्मक बदलाव की खोज पर आधारित है।

इस कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे, जिनमें पांडिचेरी और चेन्नई में फ्रांस के महावाणिज्यदूत एटियेन रोलांड पिएग, पांडिचेरी में द स्टडी स्कूल की संवाददाता डॉ. संध्या चेरियन, डॉ. किरण बेदी के पूर्व सचिव थेवा नीति दास, पांडिचेरी विश्वविद्यालय में फ्रेंच विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. एस. पन्नीरसेल्वम, पांडिचेरी विश्वविद्यालय के कुलपति (प्रभारी), प्रो. थारानिक्करासु, संस्कृति एवं सांस्कृतिक संबंध निदेशक प्रो. क्लेमेंट एस. लूर्डेस, तथा पांडिचेरी विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार (प्रभारी) प्रो. रजनीश भूटानी शामिल थे। प्रसिद्ध लेखिका और पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल डॉ. किरण बेदी ने निर्भीक शासन के सिद्धांतों पर अपने व्यावहारिक व्याख्यान से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रस्तुति ने ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता पर प्रकाश डाला जो ईमानदारी और जवाबदेही के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में अडिग हो, खासकर सार्वजनिक सेवा के संदर्भ में।

घरेलू कार्य के लिये पुलिस कर्मियों को तैनात करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करें : अदालत

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने सरकार के गृह, निषेध एवं आबकारी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रधान सचिव को निर्देश दिया है कि वे विस्तृत जांच कर उन जेल अधिकारियों के खिलाफ सभी उचित कार्रवाई शुरू करें, जिन्होंने राज्य भर की सभी जेलों में अपने आवासीय या व्यक्तिगत कार्य के लिए वर्दीधारी कर्मियों/लोक सेवकों को तैनात किया है। अदालत ने आदेश दिया कि जांच या तो पुलिस की सीबीसीआईडी शाखा की सहायता से की जा सकती है या फिर खुफिया शाखा से आवश्यक जानकारी प्राप्त करके की जा सकती है। न्यायमूर्ति एस एम सुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति एम. जोतिरमन की पीठ ने हाल ही में एक आदेश में उपरोक्त निर्देश दिया।

पीठ ने कहा कि ऐसी पहचान के आधार पर अतिरिक्त मुख्य सचिव द्वारा उचित आदेश पारित कर उन सभी वर्दीधारी कर्मियों को वापस बुलाया जाना चाहिए तथा उन्हें जेल नियमों और लागू सरकारी आदेशों के अनुसार जेल ड्यूटी पर तैनात किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि यह कार्य अतिरिक्त मुख्य सचिव द्वारा तीन सप्ताह के भीतर किया जाना था। पीठ ने यह आदेश सुजाता द्वारा दायर याचिका पर पारित किया, जिसमें प्राधिकारियों को उनके अभ्यावेदन पर विचार करने और निर्णय लेने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

उनके ज्ञापन में कई शिकायतें शामिल थीं, जिनमें जेल अधिकारियों द्वारा वर्दीधारी कर्मियों को उनके आवासीय कार्यों के लिए उपयोग करने के खिलाफ शिकायतें भी शामिल थीं। पीठ ने कहा कि यह न्यायालय का कर्तव्य है कि वह याद दिलाए कि पुलिस/जेल अधिकारी लोक सेवक हैं और उन्हें करदाताओं के पैसे से अच्छा वेतन दिया जाता है। उनके सार्वजनिक कर्तव्यों के प्रभावी निष्पादन के लिए सरकार द्वारा अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं। पीठ ने कहा कि इस प्रकार उनसे प्रासंगिक नियमों के तहत जो भी लाभ स्वीकार्य हैं, उन्हें प्राप्त करने की अपेक्षा की जाती है और आधिकारिक पद के दुरुपयोग की स्थिति में, वे अभियोजन तथा कदाचार के लिए अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने के लिए उत्तरदायी हैं।

दक्षिणी केरल में भारी बारिश, तीन जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी

तिरुवनंतपुरम/भाषा। दक्षिणी केरल के कई हिस्सों में शुक्रवार को बारिश होने के बाद भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के तीन जिलों के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने तिरुवनंतपुरम, कोल्लम और पथानामथिट्टा जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया। इसके अलावा अलपुझा, कोट्टायम, एर्नाकुलम और इडुक्की जिलों के लिए येलो अलर्ट' जारी किया गया। 'ऑरेंज अलर्ट' बहुत भारी बारिश (छह सेमी से 20 सेमी) जबकि 'येलो अलर्ट' छह से 11 सेमी तक वर्षा दर्शाता है। आईएमडी ने तेज हवाओं और प्रतिकूल मौसम के मद्देनजर मछुआरों को केरल-लक्षद्वीप तट पर मछली पकड़ने के लिए समुद्र में नहीं जाने का सुझाव दिया है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) ने लोगों को आगाह किया है कि वे भारी बारिश के साथ तेज हवाएं चलने की आशंका के कारण घर के अंदर ही रहें और पेड़ों या होर्डिंग के नीचे खड़े होने से बचें।

राज्यपाल ने अधिकतर विवि में नियमित कुलपतियों की कमी के लिए राज्य सरकार को दोषी ठहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शुक्रवार को राज्य के अधिकांश विश्वविद्यालयों में नियमित कुलपतियों की अनुपस्थिति के लिए सत्तारूढ़ वाम सरकार को जिम्मेदार ठहराया। राज्यपाल ने कहा कि पिछले 75 वर्षों में यह राज्य में विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति ही रहे हैं जिन्होंने कुलपतियों का चुनाव करने के लिए चयन समितियों का गठन किया है।

केरल के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के तौर पर खान ने कहा कि हालांकि, हर मामले में जहां उन्होंने एक चयन समिति का गठन किया, राज्य सरकार ने इसे केरल उच्च न्यायालय में चुनौती दी, जिसने बाद में कार्यवाही पर रोक लगा दी। खान ने पूछा, ''तो अब मैं क्या कर सकता हूं?''

उन्होंने बताया कि जब उन्होंने पाया कि सरकार ने अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया है, तो उन्होंने विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेजने के लिए अपने संवैधानिक अधिकार का इस्तेमाल किया। खान ने जोर देकर कहा, ''सरकार व्यक्तियों या यहां तक कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की इच्छा के अनुसार नहीं चलेगी। यह संविधान के प्रावधानों के अनुसार चलेगी।''

उन्होंने कहा कि, एक विश्वविद्यालय को छोड़कर जहां उन्होंने कुलपति की दोबारा नियुक्ति की है, राज्य के अन्य सभी विश्वविद्यालयों में नियमित कुलपति का अभाव है। कोडकारा काला धन मामले पर पत्रकारों के सवालों पर खान ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय इसकी जांच कर रहा है। उन्होंने कहा, एजेंसियों को बिना किसी हस्तक्षेप के अपना काम करने दें। मैं कौन होता हूं उनकी या किसी और की जांच पर फैसला सुनाने वाला? कानून अपना काम करेगा।

वायनाड लोकसभा उपचुनाव में रहा है बाहरी लोगों का दबदबा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड/भाषा। केरल में राज्य के बाहर के नेताओं को लोकसभा सांसद के रूप में चुनने का इतिहास रहा है, जिसमें वायनाड के पूर्व सांसद राहुल गांधी भी हैं और अगर 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव में उनकी बहन प्रियंका गांधी को जीत मिलती है तो वह भी इस सूची में शामिल हो सकती हैं। राहुल गांधी के अलावा राज्य के बाहर के कई नेताओं ने केरल से सांसद के रूप में कार्य किया है। इनमें तमिलनाडु से मुहम्मद इस्माइल, महाराष्ट्र से जीएम बनातवाला और कर्नाटक से इब्राहिम सुलेमान सैत भी ऐसे ही नेता हैं। ये सभी दक्षिणी राज्य से कई बार आईयूएमएल के सांसद चुने गए। दिलचस्प बात यह है कि अगले सप्ताह होने वाले चुनावों में भी कई 'बाहरी' उम्मीदवार शामिल हैं।

इनमें तमिलनाडु से 'इलेक्शन किंग' के पद्मराजन भी शामिल हैं। वह 200 से अधिक बार चुनावी जंग में असफल हो चुके हैं। वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अलावा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के खिलाफ भी चुनाव लड़ चुके हैं। गुजरात के जयेंद्र के राठौड़ भी पहाड़ी निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतरे 11 उम्मीदवारों में शामिल हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव में गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ चुनाव लड़ा था।

केरल में चुनाव लड़ने वाले बाहरी उम्मीदवारों की सूची में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी शामिल हो गयी हैं और वह पहली बार चुनावी मैदान में हैं।

वायनाड उपचुनाव में अन्य बाहरी उम्मीदवारों में तमिलनाडु के निर्दलीय ए नूर मुहम्मद, उत्तर प्रदेश से किसान मजदूर बेरोजगार संघ के गोपाल स्वरूप गांधी और तमिलनाडु से बहुजन द्रविड़ पार्टी की ए सीता शामिल हैं।

इसके अलावा निर्दलीय चुनाव लड़ रहे बाहरी उम्मीदवारों में कर्नाटक के इस्माइल जबी उल्लाह, उत्तर प्रदेश से निर्दलीय सोनू सिंह यादव, आंध्र प्रदेश से नवरंग कांग्रेस पार्टी के शेख जलील, तेलंगाना से जातीय जन सेना पार्टी के दुग्गिराला नागेश्वर राव और कर्नाटक से एक अन्य निर्दलीय रुक्मिणी भी दौड़ में हैं। सीपीआई के सत्यन मोकेरी और भाजपा की नव्या हरिदास उम्मीदवार हैं।

निर्दलीय उम्मीदवार आर राजन एकमात्र ऐसे उम्मीदवार हैं जो केरल निवासी हैं। हालांकि 63 वर्षीय कलपेट्टा निवासी ने कहा कि वह अब प्रियंका गांधी की जीत के लिए काम कर रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने अपना नामांकन क्यों दाखिल किया तो उन्होंने कहा, मैं अभी उस मामले का खुलासा नहीं करना चाहता। केरल के बाहर के कई उम्मीदवार और उनकी संबद्ध पार्टियां वायनाड के मतदाताओं के लिए काफी हद तक अपरिचित हैं, जिन्हें लगता है कि उनमें से अधिकांश केवल हाई-प्रोफाइल उम्मीदवार प्रियंका गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ने का श्रेय लेने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं।

तमिलनाडु से 65 वर्षीय स्वतंत्र उम्मीदवार के. पद्मराजन का दावा है कि उन्होंने 245 चुनाव लड़े हैं, जिनमें छह चुनाव राष्ट्रपति पद के लिए और छह चुनाव उपराष्ट्रपति पद के लिए लड़े हैं। उन्होंने कहा, मैंने चार प्रधानमंत्रियों के खिलाफ चुनाव लड़ा है: 2014 में वडोदरा में नरेंद्र मोदी, लखनऊ में अटल बिहारी वाजपेयी, 1996 में पी वी नरसिम्हा राव और राज्यसभा चुनाव में मनमोहन सिंह के खिलाफ।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि केरल में बाहरी उम्मीदवारों का लंबा इतिहास रहा है। राहुल के अलावा, राज्य के बाहर के कई नेता केरल से सांसद रह चुके हैं। मुस्लिम लीग के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मुहम्मद इस्माइल केरल में सीट जीतने वाले पहले बाहरी व्यक्ति थे, जिन्होंने 1962 में मंजेरी का प्रतिनिधित्व किया था। उनके बाद सुलेमान सैत ने 1967 और 1991 के बीच कोझिकोड, मंजेरी और पोन्नानी का प्रतिनिधित्व किया। वह 1960 से 1966 तक केरल से राज्यसभा सदस्य भी रहे।

नया विकसित राजस्थान बनाने में माइनिंग सेक्टर की प्रमुख भूमिका : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के सानिध्य में माइंस एवं पेट्रोलियम विभाग के राइजिंग राजस्थान प्री समिट में शुक्रवार को 63 हजार 463 करोड रु. के एमओयू हस्ताक्षरित और आदान प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की उपस्थिति में आयोजित एमओयू समारोह में राज्य सरकार की और से प्रमुख शासन सचिव माइंस टी. रविकान्त व निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल और एमओयू करने वाली संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधियों के बीच करार पत्रों का आदान प्रदान हुआ।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने निवेशकों से आगामी 8, 9 10 दिसंबर को आयोजित राइजिंग राजस्थान समिट में अधिक अधिक से निवेश प्रस्ताव के साथ आगे आने का आह्वान करते हुए प्रदेश के विकास यात्रा में भागीदार बनने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में औद्योगिक निवेश के अनुकूल वातावरण बनाया गया है इससे प्रदेश की प्रगति, आर्थिक विकास और रोजगार के अवसर विकसित होंगे।

शर्मा ने जापान और कोरिया यात्रा की चर्चा करते हुए कहा कि जापान के प्रतिनिधियों ने बताया कि वे राजस्थान में अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं इसी तरह से कोरिया की कोरियन स्टोन कंपनी सहित कंपनियों ने भी राजस्थान में निवेश में रुचि दिखाई है। मेरा आग्रह है कि राजस्थान में काम कर रही देशी विदेशी कंपनियां अपने मुनाफे को प्रदेश में ही औद्योगिक विकास के लिए निवेष करें ताकि प्रदेष में निवेश और रोजगार के नए अवसर विकसित हो सके।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य में सोना, चांदी, लेड, जिंक, मार्बल, ग्रेनाइट सहित विभिन्न खनिजों के विपुल भण्डार है। सीकर के रोहिल में यूरेनियम के खनन हेतु यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इण्डिया को एलओआई जारी किया गया है वहीं बाड़मेर, जालौर, नागौर आदि में दुर्लभतम खनिज रेयर अर्थ एलिमेंट के भण्डार मिले हैं। हमारी सरकार आरईई को बढ़ावा देने के लिए सेंटर फॉर एक्सिलेंस स्थापित करने जा रही है। पिछले सात माह में ही 32 मेजर खनिज ब्लॉकों की नीलामी कर हम देष में प्रथम आ गए हैं। उन्होंने कहा कि नई खनिज नीति में खनिजों के खोज कार्य में तेजी लाने, खनिज रियायतों का समय पर आवंटन, खनन क्षेत्रों के विकास, खनिज बजरी व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने, प्रक्रिया को आसान व पारदर्शी बनाने, खनन क्षेत्र में नवीनतम तकनीक का उपयोग सहित प्रदेश में खनिज क्षेत्र में औद्योगिक निवेश, रोजगार और राजस्व बढ़ाने पर जोर रहा है।

शर्मा ने कहा कि राज्य की नई एम–सेण्ड नीति में प्रदेश में एम–सेण्ड इकाइयों के संचालन में आसानी एवं उत्पादन की दृष्टि से निवेशकों के अनुकूल बनाने के साथ ही निवेशकों को रिप्स के माध्यम से सहायता और आमनागरिकों को बजरी के विकल्प के रुप में एम–सेण्ड की सहज उपलब्धता सुनिष्चित करने पर बल है। श्री शर्मा ने कहा कि राज्य में देश के कुल उत्पादन का लगभग 15 प्रतिशत क्रूड ऑयल और प्रतिदिन 3.3 मिलियन घनमीटर प्राकृतिक गैस का उत्पादन हो रहा है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि नया विकसित राजस्थान बनाने में माइनिंग सेक्टर की प्रमुख भूमिका है। राज्य में संपर्क सड़कों के तेजी से विकास की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली मुंबई इण्डस्ट्रियल कोरिडोर क्षेत्र में स्टोन पार्क विकसित करने की संभावनाओं को तलाशा जाएगा ताकि प्रदेश के स्टोन्स को एक ही स्थान पर प्रदर्शित कर देश दुनिया के सामने रखा जा सके। मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत ने राजस्थान की विपुल खनिज संपदा की चर्चा करते हुए कहा कि रोडमैप बनाकर आगे बढ़ा जा रहा है। उन्होंने रिफाइनरी की प्रगति, राजस्थान के खनिजों आदि के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

आरएमसी ने आठ चिकित्सकों के लाइसेंस निरस्त किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान मेडिकल काउंसिल (आरएमसी) ने फर्जी फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट्स एग्जाम (एफएमजीई) प्रमाण पत्र देने के आरोपी आठ चिकित्सकों के लाइसेंस निरस्त कर दिए हैं। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इन अभ्यर्थियों ने कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर राजस्थान मेडिकल काउंसिल (आरएमसी) से लाइसेंस हासिल कर लिया था। आरएमसी के रजिस्ट्रार डॉ. गिरिधर गोयल ने बताया, अभ्यर्थियों ने कूटरचित दस्तावेज पेश कर राजस्थान मेडिकल काउंसिल में अपना रजिस्ट्रेशन कराया था। फर्जी दस्तावेजों के जरिए रजिस्ट्रेशन मामले में राज्य सरकार द्वारा गठित जांच समिति की सिफारिश के आधार पर आरएमसी ने कार्रवाई की है।

जिनके लाइसेंस निरस्त किए गए हैं उनमें डॉ. शुभम गुर्जर, इंद्रराज सिंह गुर्जर, विजय सैनी, नफीस खान, देवेंद्र सिंह, सतेंद्र सिंह गुर्जर, अभिषेक कुमार और शेख आरिफ इकबाल शामिल हैं।

गोयल ने बताया कि इन सभी के दस्तावेज सत्यापन के लिए राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड को भेजे गए थे वहां से रिपोर्ट मिलने के बाद इनके पंजीकरण नरिस्त कर दिए गए हैं। आरएमसी के अधिकारियों के अनुसार इन सभी चिकित्सकों ने कजाकिस्तान, रूस, यूक्रेन और अन्य देशों से एमबीबीएस की डिग्री हासिल की है, लेकिन इनमें से कुछ ने एनएमसी परीक्षा पास नहीं की है।

राइजिंग इन्वेस्टमेंट मीट का आयोजन औद्योगिक विकास की संकल्पना लिए है : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान की उप–मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप राइजिंग इन्वेस्टमेंट मीट का आयोजन औद्योगिक विकास की संकल्पना लिये है, जिसमें विकास और रोजगार दोनों हित सुरक्षित हैं। केकड़ी जिले की प्रभारी मंत्री दीया कुमारी के मुख्य आतिथ्य में शुक्रवार को यहां आयोजित कार्यक्रम में तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक के 239 समझौते किये गये। इससे केकड़ी जिला और प्रदेश के औद्योगिक विकास की संकल्पना साकार हुई।

दीया कुमारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप उद्यमियों और निवेशकों को प्रोत्साहित करने के लिये इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया गया है। इसके माध्यम से जहां एक ओर जिले के साथ–साथ प्रदेश में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा, दूसरी ओर रोजगार का भी सृजन होगा। उन्होंने राइजिंग केकड़ी इन्वेस्टर मीट आयोजन के लिये सरकार और इसमें निवेश करने वाले उद्यमियों का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि उद्योग एवं व्यापार को बढ़ावा देने के लिये सरकार संकल्पबद्ध है। निवेश के माध्यम से रोजगार और विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में निवेश बढ़े, बजट घोषणाओं की प्रभावी निगरानी के साथ उनका क्रियान्वयन हो और राज्य का आधारभूत ढांचा मजबूत हो, इसके लिये राज्य सरकार प्रयासरत है।

इस अवसर पर केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम ने निवेशकों उद्यमियों और गणमान्य नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि राइजिंग राजस्थान मुख्यमंत्री का दूरदर्शी विजन है। उनकी मंशा के अनुरूप निवेशकों एवं उद्यमियों को व्यापार के अनुकूल वातावरण उपलब्ध करवा कर समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण किया जायेगा। केकड़ी जिला कलेक्टर श्वेता चौहान ने निवेशकों, उद्यमियों और उपस्थितजनों का स्वागत एवं आभार व्यक्त करते हुये बताया कि जिला स्तरीय इन्वेस्टर मीट के लिए 239 एमओयू के प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं। इनसे तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आएगा। लगभग छह हजार से अधिक के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा अनुसार यह मीट युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार प्रदान करने और जिले में निवेश बढ़ाने के लिए उपयोगी साबित होगी।

अलगाववादियों का सफाया करने के लिए केंद्र संकल्पबद्ध

अजमेर। राजस्थान के स्वायत्त शासन एवं नगरीय विकास मंत्री झाबरमल खर्रा ने कहा है कि भारत सरकार कश्मीर में आतंकवाद और अलगाववादियों का सफाया करने के लिए संकल्पबद्ध है एवं यह होकर रहेगा। खर्रा शुक्रवार को अजमेर सर्किट हाउस में जनसुनवाई बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने एक सवाल कश्मीर से 370 हटाने के जवाब में उक्त बात कही और कहा,देश की सेना को खुली छूट दी गई है । आतंकवादियों से सबको मिलकर सख्ती से निपटना है। उन्होंने कहा कि आज की जनसुनवाई में अनेक मामलें आये हैं और वाजिब प्रकरणों को निपटाने के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं। उन्होंने शहर की समस्याओं पर विधायक अनीता भदेल, शहर भाजपा अध्यक्ष रमेश सोनी एवं पार्षदगण से चर्चा की। खर्रा ने आज फिर दोहराते हुए कहा कि प्रदेश के नगरीय विकास में कोई कमी नहीं रखी जायेगी तथा जनसाधारण की वाजिब समस्या का समाधान किया जायेगा।

राज्यपाल ने रामभद्राचार्य महाराज से रामकथा सुनी

जयपुर/दक्षिण भारत । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को विद्याधर नगर स्टेडियम पहुंचकर वहां जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी से रामकथा सुनी। उन्होंने स्वामी रामभद्राचार्य को महान संत बताते हुए उनके तप और अध्ययन की गहराई की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुगल काल में अत्याचारियों ने देश की संस्कृति को नष्ट भ्रष्ट करने का निरंतर प्रयास किया पर रामभद्राचार्य जैसे संतों की परंपरा और ज्ञान से ही भारत की संस्कृति बची रही है। उन्होंने स्वामी रामभद्राचार्य से अध्यात्म की भारतीय परम्परा और संस्कृति पर भी चर्चा की। उन्होंने जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी को युगसंत बताते हुए कहा कि उनके मुख से रामकथा का श्रवण जीवन को सार्थक करना है।

युवक और नाबालिग लड़की के शव पेड़ से लटके मिले

जयपुर। जयपुर के आमेर इलाके में एक युवक और नाबालिग लड़की के शव शुक्रवार को एक पेड़ से लटके मिले। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ये दोनों बृहस्पतिवार की सुबह से लापता थे। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस ने इलाके में उनके फोटो भी बांटे थे लेकिन वे नहीं मिले। शुक्रवार की सुबह दोनों के शव पेड़ से लटके मिले। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने उनकी जेब से मिले कागजात और मोबाइल फोन के आधार पर परिजनों से संपर्क किया और उन्हें घटना की जानकारी दी। आमेर के थानाधिकारी अंतिम शर्मा ने बताया कि दोनों के शव दिल्ली रोड पर कूकस बस अड्डे के पास एक खाली भूखंड में मिले। युवक की पहचान जमवारामगढ़ निवासी मुकेश कुमार (23) के रूप में हुई है। लड़की की उम्र 15 साल है। दोनों ने अपने मोबाइल बंद कर रखे थे। युवक आमेर इलाके में पानी का टैंकर चलाता था। उसके दो बच्चे हैं जो जमवारामगढ़ में परिवार के साथ रहते हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि दोनों के बीच प्रेम संबंध थे।

परिवारवाद से पिंड छुड़ाना चाहती है जनता : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। रामगढ़ विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव पर भाजपा प्रत्याशी सुखवंत सिंह के समर्थन में जनसंपर्क करने आए प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि रामगढ़ क्षेत्र की जनता आतंकित है। यहां पर टटलूबाजी, साइबर क्राइम, साइबर लूट, गौ तस्करी व हत्या सहित अनेक घटनाएं होती रहती हैं। यहां एक परिवार का ठेका हो गया है। कभी पत्नी, कभी पति तो कभी बेटे को एमएलए का टिकट मिल जाता है। अब रामगढ़ की जनता इससे पिंड छुड़ाना चाहती है।

शुक्रवार को एक होटल में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि आज मोदीजी के नेतृत्व में देश का सर्वांगीण विकास हो रहा है और भारत विकसित राष्ट्र बनने जा रहा है। ऐसे में रामगढ़ के लोग भाजपा को वोट देकर राष्ट्रीयता की मुख्यधारा से हर हाल में जुड़ना चाहेंगे। उन्होंने प्रदेश की सात सीटों पर हो रहे उपचुनाव में सभी पर भाजपा की जीत का होने का दावा किया। उन्होंने कहा कि जनता नहीं चाहती कि देश के साथ अन्याय करने वाले लोग जीतें। दिलावर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जो कहती है, वह करती है, कांग्रेस की तरह नहीं है कि कथनी और करनी में फर्क हो। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार लगातार विकास के कार्य कर रही है। कांग्रेस के लोग आंखों पर पट्टी बांधे हुए हैं, इसलिए उन्हें विकास दिखाई नहीं देता। कांग्रेस ने लोकप्रियता हासिल करने के लिए महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल शुरू किए, जिनमें कोई भवन व टीचर की सुविधा नहीं है।

देवनानी ने ऑस्ट्रेलिया संसद का किया अवलोकन

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के कैनबेरा में स्थित ऑस्ट्रेलियन पार्लियामेंट में विपक्षी दल के प्रमुख सांसद एव पूर्व मंत्री अलेक्स हॉक से शिष्टाचार भेंट की। देवनानी और हॉक ने भारत और ऑस्ट्रेलिया की संसदीय प्रणाली के विकास में संसदीय पद्धति व प्रक्रियाओं की भूमिका, लोकतांत्रिक प्रणाली सहित शिक्षा, पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की सम्भावनाओं पर विचार–विमर्श किया।

देवनानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में शिक्षा और रोज़गार के अवसरों में उत्तरोतर प्रगति हो रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट 2024 का आयोजन किया जा रहा है। इस समिट से राजस्थान में निवेश के साथ–साथ राज्य में समावेशी विकास, सांस्कृतिक विरासत सहित विकास के विभिन्न स्तम्भों को बढावा मिलेगा।

देवनानी ने ऑस्ट्रेलिया में हॉक और अन्य सांसदगण से दोनों देशों में उद्योगों को विस्तार देने में वर्तमान चुनौतियों और भविष्य के अवसरों की सम्भावनाओं पर चर्चा की। देवनानी ने वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुसार दोनों राष्ट्रों में साझेदारी, अनुसंधान और विकास को बढावा देने वाले कदमों को भी तलाशा। देवनानी ने कैनबेरा स्थित ऑस्ट्रेलियन पार्लियामेंट का अवलोकन किया और वहां के सदन, विभिन्न दीर्घाओं और संसदीय प्रणाली की बारिकियों को समझा और देखा।

राजस्थान पर्यटन विभाग के शासन सचिव को फ्रांस की पर्यटक, लेखिका श्रीमती ऐनी सोरेल ने अपनी ट्रेवल गाइड बुक राजस्थान की भेंट

जयपुर। राजस्थान में जो आता है वो यहां के रंगों में रंग जाता है। ऐसा ही फ्रांस से जुलाई 1974 में राजस्थान भ्रमण को आई पर्यटक, लेखिका और फोटोग्राफर ऐनी सोरेल के साथ भी हुआ। शासन सचिव पर्यटन रवि जैन से मुलाकात कर फ्रांस की पर्यटक, लेखिका और फोटोग्राफर श्रीमती ऐनी सोरेल ने शुक्रवार को जयपुर स्थित राजस्थान पर्यटन भवन में उनसे मिलकर अपनी राजस्थान पर्यटन अनुभव आधारित छायाचित्रों को समाहित किये हुए फ्रेंच ट्रेवल गाइड बुक राजस्थान भेंट की। साथ ही श्रीमती सोरेल ने राजस्थान में अपनी यात्रा के 50 वर्ष पूर्ण होने उपलक्ष में 27 नवम्बर 2024 को जयपुर में ऐनी द्वारा आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शासन सचिव पर्यटन रवि जैन, पर्यटन आयुक्त विजयपाल सिंह को आमंत्रित किया। इस अवसर संयुक्त निदेशक (पर्यटन विकास) राजेश शर्मा और संयुक्त निदेशक (मेले – त्यौहार) श्रीमती पुनीता सिंह भी उपस्थित रहीं।

शासन सचिव पर्यटन रवि जैन ने हमें खुशी है कि श्रीमती ऐनी सोरेल की आधी शताब्दी से राजस्थान भ्रमण करते हुए अपने छायाचित्रों और फ्रेंच ट्रेवल गाइड बुक राजस्थान के माध्यम से राजस्थान को फ्रांस में प्रचारित करने की भूरी भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि फ्रेंच भाषा की ट्रेवल गाइड राजस्थान निश्चित ही राजस्थान पर्यटन को वैश्विक स्तर पर विशेषकर फ्रेंच भाषी पर्यटकों को राजस्थान के प्रति उत्सुकता पैदा कर उन्हें राजस्थान पर्यटन से निकटता से परिचय कराती है।

श्रीमती ऐनी सोरेल ने बताया कि उनकी किताब का यह आठवां संस्करण है।

पुष्कर में कार्तिक एकादशी को निकाली जाएगी 'आध्यात्मिक यात्रा'

अजमेर। राजस्थान में अजमेर के तीर्थराज पुष्कर में कार्तिक मेले के मौके पर 'कार्तिक एकादशी' 12 नवम्बर को परम्परागत आध्यात्मिक यात्रा निकाली जायेगी। पुष्कर उपखंड अधिकारी एवं आध्यात्मिक यात्रा आयोजन उपसमिति के अध्यक्ष गौरव मित्तल ने शुक्रवार को बताया कि आध्यात्मिक यात्रा का आयोजन गायत्री शक्ति पीठ के तत्वावधान में होगा, जिसमें संत, महात्मा, मठों के महंत आदि पुष्कर भ्रमण करेंगे और वे पवित्र सरोवर की परिक्रमा भी करेंगे। उन्होंने बताया कि मंगलवार सुबह नौ बजे आध्यात्मिक यात्रा का आयोजन होगा, जो पुष्कर गुरुद्वारा के सामने गायत्री शक्ति पीठ से शुरू होगी और विभिन्न बाजारों से होती हुई पुष्कर सरोवर, ब्रह्माजी मंदिर, मेला मैदान की ओर भ्रमण करेगी। रास्ते में जगह–जगह आध्यात्मिक यात्रा का पुष्प वर्षा से स्वागत होगा। यात्रा में बग्गी, घोड़े, ऊंट आदि के अलावा धार्मिक संदेशात्मक झांकियां भी होंगी। मित्तल ने बताया कि आध्यात्मिक यात्रा पर अजमेर दरगाह अंजुमन की ओर से पुष्प वर्षा की जायेगी, जो साम्प्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देने का संदेश देगी। उल्लेखनीय है कि 12 तारीख से ही कार्तिक माह का पंचतीर्थ स्नान शुरू होगा, जो 15 नवम्बर कार्तिक पूर्णिमा तक चलेगा।

छात्रों की यूनीफार्म की व्यवस्था सीएसएआर फंड से होगी : दिलावर

अलवर। राजस्थान सरकार अब राज्य में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए शीतकालीन यूनिफॉर्म की व्यवस्था सीएसआर फंड से करेगी। यह जानकारी शुक्रवार को यहां राज्य के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने मीडिया से बातचीत में दी। सर्दियों में ड्रेस देने के सवाल पर उन्होंने कहा, मैंने यह नहीं कहा कि सर्दियों में जर्सी वगैरह दी जाएगी। लेकिन स्कूली बच्चों को यूनिफॉर्म दी जाएगी और जर्सी और जूते उपलब्ध कराने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए सीएसआर वालों से बात करेंगे कि धन उपलब्ध करायें या अपने स्तर पर स्कूली बच्चों को सर्दी में जर्सी और जूते उपलब्ध कराएं।

दिलावर ने राज्य में कांग्रेस की पूर्व सरकार पर सरकारी स्कूलों का बेड़ा गर्क करने का आरोप लगाते हुए कहा कि महात्मा गांधी स्कूल खोल दिए गए जिसका सबसे बड़ा नुकसान बेटियों को हुआ। इन्होंने सिर्फ इंग्लिश मीडियम महात्मा गांधी स्कूल का बोर्ड लटका दिया जबकि इन स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम में पढ़ने और पढ़ाने वाले ही अध्यापक होने चाहिए लेकिन ऐसा नहीं किया गया। जिन स्कूलों को महात्मा गांधी स्कूल बनाया गया उनमें पढ़ने वाले हिंदी माध्यम के बच्चों को दूसरे स्कूल में भेजा गया। सबसे बड़ा नुकसान यहां बच्चियों को हुआ जो परिवार के लोग दूर नहीं भेजना चाहते। उनकी पढ़ाई छूट गई। इन्होंने सबसे ज्यादा हालत खराब किया। इंग्लिश मीडियम स्कूल खोलकर हजारों बच्चों का भविष्य अंधकार में किया।

रामगढ़ के उप चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि रामगढ़ की जनता समझ चुकी है। यहां की जनता आतंकित है।

'इंडि' गठबंधन ने झारखंड को लूटा, बर्बाद किया : धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चक्रधरपुर (झारखंड)/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को 'इंडि' गठबंधन पर झारखंड को बर्बाद करने और लूटने का आरोप लगाया तथा लोगों से झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाले ''भ्रष्ट'' गठबंधन को सत्ता से बाहर कर देने की अपील की।

भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रधान ने झामुमो नीत इस गठबंधन पर भाई-भतीजावाद व वंशवादी राजनीति को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। प्रधान ने पश्चिम सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर में रैली को संबोधित करते कहा, 'इंडी' गठबंधन ने झारखंड को बर्बाद किया एवं लूटा, आप उसे (सत्ता से) उखाड़ फेंकिए। झामुमो नीत गठबंधन ने भाई-भतीजावाद को बढ़ावा दिया तथा लोगों की कीमत पर अपने नेताओं का विकास किया। उन्होंने स्थानीय संस्कृति एवं पहचान को अक्षुण्ण रखने के लिए लोगों से भाजपा को सत्ता में लाने की अपील की। झारखंड में 13 और 20 नवंबर को विस चुनाव के लिए मतदान होगा। मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

एक रहोगे तो सुरक्षित रहोगे: असम के मुख्यमंत्री हिमंत

रांची/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस पर वोट बैंक की राजनीति के लिए हिंदुओं को बांटने की कोशिश करने का आरोप लगाया और लोगों से ऐसे प्रयासों को विफल करने के लिए एकजुट रहने का आग्रह किया। शर्मा ने बांग्लादेशियों की घुसपैठ बढ़ने के मामलों पर चिंता जताई और सचेत किया कि अगर इस पर अंकुश नहीं लगाया गया तो यह समस्या राज्य की महिलाओं के लिए गंभीर खतरा बन जाएगी। झारखंड में भाजपा के चुनाव सह-प्रभारी शर्मा ने रांची में रैली के दौरान कहा, कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति के लिए हिंदुओं को बांटना चाहती है। एक रहोगे तो सुरक्षित रहोगे। उन्होंने आगाह किया कि यदि भाजपा सत्ता में नहीं आई तो घुसपैठिए घरों पर हमला करेंगे और ''पत्नियों, बहुओं और बेटियों के लिए गंभीर खतरा पैदा करेंगे। हम झारखंड को लूटने वाले आलमगीर आलम और इरफान अंसारी जैसे मंत्रियों को ठीक उसी तरह बाहर निकाल देंगे, जैसे हमने अयोध्या से बाबर को बाहर निकाला था।

मणिपुर के जिरीबाम में छह घर जलाए गए, ग्रामीणों पर भी हमला किया गया

इंफाल/भाषा। मणिपुर के जिरीबाम जिले में सशस्त्र उग्रवादियों के एक समूह ने आदिवासी बहुल एक गांव में कम से कम छह घरों को आग लगा दी और ग्रामीणों पर हमला कर दिया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार शाम को जैरोन हमार गांव में हुई। उग्रवादियों के एक समूह ने छह घरों में आग लगा दी। उन्होंने कहा, प्रारंभिक खबरों से पता चला है कि हमले के दौरान कई ग्रामीण भागने में सफल रहे और उन्होंने पास के जंगल में शरण ली। आगजनी के कारण कम से कम छह घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और मामले की जांच की जा रही है।

कुकी-जो समुदायों ने दावा किया कि हमले के दौरान गांव की एक महिला की मौत हो गई, लेकिन जिला पुलिस ने मौत की खबर की पुष्टि नहीं की है। पिछले वर्ष मई से मणिपुर में जातीय हिंसा जारी है और अब तक 200 से अधिक लोग मारे गए हैं। हिंसा उस समय भड़की जब मेइती समुदाय द्वारा अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' का आयोजन किया गया था। मणिपुर की कुल जनसंख्या में मेइती समुदाय के लोगों की संख्या करीब 53% है और वे मुख्यतः इंफाल घाटी में रहते हैं, जबकि नगा व कुकी समेत आदिवासी समुदायों की आबादी 40% है तथा वे लोग मुख्य रूप से पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

गांव के बच्चों तक मनोरंजन और विज्ञान पहुंचाने वाले इंजीनियर को शीर्ष ग्रामीण पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ओड़िशा में ग्रामीण स्कूल के बच्चों को 'रोबोटिक्स' एवं 'थ्री डी प्रिंटिंग' जैसी वैज्ञानिक गतिविधियों का व्यावहारिक अनुभव देने के उद्देश्य से 'टिंकर ऑन व्हील्स' मिनी तैयार करने वाले अभियंता अनिल प्रधान को ग्रामीण विकास में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए तीसरे रोहिणी नैय्यर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। 'टिंकर ऑन व्हील्स' एक 'लर्निंग लैब' है, जो एक मिनी बस में बनाया गया है। यह मिनी बस ग्रामीण क्षेत्रों में एक स्कूल से दूसरे स्कूल में जाती है और छात्रों को ज्ञान एवं मनोरंजन के साथ-साथ 'रोबोटिक्स' तथा 'थ्रीडी प्रिंटिंग' जैसी वैज्ञानिक गतिविधियों का व्यावहारिक अनुभव कराती है।

अनिल प्रधान ने शुक्रवार को 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, मैंने भी एक समय आईआईटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में पढ़ने) का सपना देखा था और जब मैं इसमें सफल नहीं हो पाया तो बहुत टूट गया था। उन्होंने कहा, मैंने ओडिशा के एक सरकारी कॉलेज से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और जब मैंने एक इंजीनियर के रूप में काम करना शुरू किया, तो मुझे एहसास हुआ कि स्कूल में जो पढ़ाया जा रहा है और वास्तव में, उद्योग में जो हो रहा है, उसमें बहुत अंतर है।

प्रधान ने कहा कि हालांकि बड़े शहरों में छात्रों के पास व्यावहारिक रूप से सीखने के अधिक अवसर हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों के लिए यह अवसर बहुत सीमित है, और इसीलिए मैंने इसे शुरू करने के बारे में सोचा।

अनिल ने 2017 में 200 छात्रों के साथ 'टिंकर ऑन व्हील्स' की शुरुआत की थी और इसके माध्यम से वह अब तक करीब ढाई लाख छात्रों की मदद कर चुके हैं।

कुम्भ मेले में दुकानें निविदा प्रक्रिया से ही आवंटित होंगी : कुंभ मेलाधिकारी

प्रयागराज/भाषा। महाकुंभ मेले की सुचिता और शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए गैर सनातनियों को खाने पीने की दुकान नहीं आवंटित करने की अखाड़ा परिषद की मांग पर मेला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मेले में दुकानें निविदा प्रक्रिया से ही आवंटित होंगी। प्रयागराज में लगने वाले कुम्भ और महाकुंभ मेले में हमेशा से दुकानें निविदा प्रक्रिया से आवंटित होती रही हैं जिसमें किसी वर्ग विशेष को दुकानें आवंटित करने पर रोक नहीं है।

हालांकि, खाने-पीने की वस्तुओं में गंदगी मिलाए जाने का पिछले दिनों कई वीडियो वायरल होने के बाद से अखाड़ा परिषद गैर सनातनियों को खानपान की दुकानें आवंटित करने का विरोध कर रहा है।

कुंभ मेलाधिकारी विजय किरण आनंद ने 'पीटीआई भाषा' से कहा, जो दुकानें आवंटित होती हैं, वह निविदा प्रक्रिया से होती हैं। दुकानें निविदा प्रक्रिया के अनुसार ही आवंटित होंगी। यह बड़ा मेला है जहां दुनियाभर से लोग आएंगे.. हम इसी प्रक्रिया से दुकानें आवंटित करेंगे। वहीं अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने शुक्रवार को पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के सभागार में बैठक के बाद एक बार फिर कहा, हमारा विरोध किसी वर्ग विशेष से नहीं है। हाल ही में खाने में थूक, पेशाब आदि मिलाकर परोसे जाने का वीडियो सामने आने के बाद हमारी मांग है कि जूस की दुकान, खानपान की दुकान, ढाबा आदि गैर सनातनियों को ना दी जाएं। उन्होंने कहा, इस मेले में देशभर से साधु संत, तपस्वी आते हैं और गैर सनातनी लोग खाने पीने की चीजों में गंदगी मिलाकर उनका धर्म भ्रष्ट कर सकते हैं। इसलिए हमारी मांग है कि खानपान की दुकानें केवल सनातनियों को ही आवंटित की जाएं। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष ने बृहस्पतिवार को मेला कार्यालय में साधु संतों के बीच हुए विवाद के बारे में कहा, हम अखाड़ों के साधु हैं और अखाड़े में छोटा-मोटा वाद-विवाद होता रहता है। इसे तूल नहीं दिया जाना चाहिए।

झारखंड में हिंदुओं का उत्पीड़न

झामुमो नीत गठबंधन ने रांची को बना दिया कराची : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पांकी (पलामू)/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की अगुवाई वाले सत्तारूढ़ गठबंधन पर राज्य की राजधानी रांची को पाकिस्तानी शहर कराची में तब्दील कर देने का आरोप लगाया और दावा किया कि राज्य में हिंदू उत्पीड़न सह रहे हैं।

यादव ने यह भी आरोप लगाया कि बांग्लादेश से घुसपैठ के कारण झारखंड में हिंदू आबादी में गिरावट के लिए झामुमो और कांग्रेस जिम्मेदार हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता यादव ने पलामू जिले के पनकी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, हमारा पड़ोसी देश पाकिस्तान लूट, झूठ, धोखाधड़ी और हिंदुओं के अपमान के लिए जाना जाता है। झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने झारखंड की राजधानी रांची को कराची में बदल दिया है। उन्होंने झामुमो नीत गठंधन पर बांग्लादेश से घुसपैठ को संरक्षण देने का भी आरोप लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में 'हिंदुओं की जनसंख्या में गिरावट' के लिए झामुमो और कांग्रेस अपनी वोटबैंक की राजनीति को लेकर जिम्मेदार हैं। यादव ने कहा कि यदि घुसपैठ पर अंकुश नहीं लगाया गया तो इससे राज्य में भारी तबाही मचेगी और लोग अपनी संस्कृति एवं पहचान से अलग हो जाएंगे।

सिर्फ महिलाएं ही लें औरतों के कपड़ों के नाप, जिम, योग केन्द्रों में हों महिला प्रशिक्षक : महिला आयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग ने महिलाओं को 'बैड टच' (बुरे इरादे से छूना) से बचाने के लिए सिलाई के वास्ते महिलाओं के कपड़ों के नाप लेने का काम सिर्फ महिला दर्जी से ही कराने और औरतों के तमाम जिम और योग केन्द्रों में महिला प्रशिक्षकों की तैनाती अनिवार्य करने का प्रस्ताव दिया है। इस पेशकश ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है और इसे समर्थन भी मिल रहा है। आयोग की 28 अक्टूबर को यहां हुई एक बैठक में महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों के संरक्षण से जुड़े कई निर्णय लिए गए। उन्हीं निर्णयों में उपरोक्त प्रस्ताव भी शामिल है।

आयोग की सदस्य हिमानी अग्रवाल ने शुक्रवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि 28 अक्टूबर को हुई आयोग की बैठक में यह प्रस्ताव रखा गया कि, महिलाओं के कपड़े सिलने के लिए उनके नाप सिर्फ महिला दर्जी ही लें और जिस जगह नाप लिया जा रहा हो वहां सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। उन्होंने बताया कि यह प्रस्ताव महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान ने रखा था जिसका बैठक में मौजूद सदस्यों ने समर्थन किया। महिला आयोग इस बात से वाकिफ है कि पूरे राज्य में इस आदेश को लागू करने में कुछ वक्त लगेगा। हालांकि उसका कहना है कि इससे अधिक संख्या में महिलाओं को 'रोजगार' मिलेगा। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबिता चौहान ने कहा, जिम और महिलाओं के बुटीक में पुरुष प्रशिक्षकों द्वारा बैड टच की शिकायतें बढ़ रही हैं। कपड़े सिलने के लिए महिलाओं के नाप लेने वाले ज्यादातर दर्जी पुरुष होते हैं। हमारा कहना है कि अगर दर्जी पुरुष है तो कोई समस्या नहीं है, लेकिन नाप सिर्फ महिलाओं को ही लेना चाहिए।

चौहान ने कहा, हमें पता है कि इन सभी जगहों पर प्रशिक्षित महिलाओं को काम पर रखना होगा और इसमें कुछ समय लग सकता है लेकिन फिर भी इस कदम से महिलाओं को बैड टच से बचाने के अलावा ज़्यादा महिलाओं को रोजगार मिलेगा।

गैर हिंदुओं को दुकानें नहीं देने की मांग पर डिपल यादव का बयान दुखद : अखाड़ा परिषद

प्रयागराज/भाषा। महाकुंभ मेले में गैर हिंदुओं को खानपान की दुकानें आवंटित नहीं करने की अखाड़ा परिषद की मांग के संदर्भ में सांसद डिंपल यादव द्वारा दिए गए बयान को दुखद बताते हुए अखाड़ा परिषद ने कहा कि बहन डिंपल स्वयं उत्तराखंड से हैं और उन्हें पता होना चाहिए कि बड़ी संख्या में साधु-संत उत्तराखंड से इस मेले में आते हैं। यहां पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के सभागार में बैठक के बाद अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने कहा, हमें इस बात का दुख है कि हमारे पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल ने गलत बातें कही हैं, जबकि वह स्वयं उत्तराखंड से हैं।

उल्लेखनीय है कि डिंपल यादव ने अखाड़ा परिषद की मांग पर कहा था, ये लोग गंगा-जमुनी तहजीब को मिटाना चाहते हैं। ये लोग धर्मनिरपेक्षता के तानेबाने को तहस नहस करना चाहते हैं। ये नहीं चाहते कि देश संविधान से चले। महंत रवींद्र पुरी ने कहा, बहन डिंपल उत्तराखंड की रहने वाली हैं जहां 33 कोटि देवी-देवताओं का वास है। डिंपल ने गैर सनातनियों को दुकानें आवंटित नहीं करने की अखाड़ा परिषद की मांग का विरोध किया है जो गलत है।

भाजपा सरकार बनाने में विफल रहने पर विधायकों को ही खरीद लेती है : तेजस्वी यादव

चतरा (झारखंड)/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि जहां वह सरकार नहीं बना सकती, वहां वह विधायकों को ही खरीद लेती है तथा उसने बिहार में ऐसा ही किया। यादव ने झारखंड के चतरा में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में भाजपा सत्ता में आने के लिए मुख्यमंत्री को ही 'अपने साथ' ले गई। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा के साथ हाथ मिला लेने का जिक्र करते हुए दावा किया, भाजपा जिन राज्यों में सरकार नहीं बना सकती, वहां वह विधायकों को ही खरीद लेती है। बिहार में जब वह सरकार गिराने में विफल हो गई तब उसने मुख्यमंत्री को ही अपने साथ कर लिया।

नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा 2016 में की गई नोटबंदी का हवाला देते हुए यादव ने कहा कि वह इसकी बरसी पर, इस कदम से अपनी जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि देते हैं। उन्होंने इस कदम को 'दुनिया के इतिहास में सबसे बड़ा घोटाला' बताया। राजद नेता ने भाजपा पर देश में विभाजन पैदा करने के लिए नफरत के बीज बोने तथा लोकतंत्र एवं देश के संविधान को नष्ट करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। झारखंड में 13 और 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा। मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

भाजपा ने पूरे देश में लोगों को धार्मिक आधार पर बांटने का प्रयास किया : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लोहरदगा/सिमडेगा/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोलते हुए उस पर मणिपुर को जलाने और देश भर में लोगों को धार्मिक आधार पर बांटने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा ने देश की 90 प्रतिशत आबादी को उनके उचित अधिकारों और लाभों से वंचित रखा है।

लोहरदगा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने आरोप लगाया, भाजपा ने मणिपुर को जला दिया और लोगों को धार्मिक आधार पर बांटने का प्रयास किया। उसने हिंदुओं, मुस्लिमों, ईसाइयों और सिखों को एक-दूसरे के खिलाफ भड़काया। हाल में हुए हरियाणा चुनावों में भाजपा ने जाटों को गैर-जाटों के खिलाफ भड़काया... यही भाजपा का चरित्र है।

कांग्रेस नेता ने यह भी दावा किया कि उन्होंने ''प्यार का संदेश फैलाने और 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने' के लिए कश्मीर से कन्याकुमारी तक 4,000 किलोमीटर की पदयात्रा की। गांधी ने दावा किया, जब मैं आदिवासियों, दलितों के लिए आवाज उठाता हूं तो भाजपा मुझ पर हिंदुस्तान को बांटने का आरोप लगाती है। मैं हिंदुस्तान को एकजुट करने और मजबूत करने के लिए यहां आया हूं। हिंदुस्तान की 90 प्रतिशत आबादी में आदिवासी, दलित और ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) शामिल हैं और अगर मैं शासन में उनकी भागीदारी के लिए आवाज उठाने के कारण गलत हूं, तो मैं ऐसा करता रहूंगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने 25 पूंजीपतियों का 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ कर दिया, लेकिन वह कांग्रेस को संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के शासन के दौरान किसानों का 72,000 करोड़ रुपए का कर्जा माफ करने के लिए कोसती है। उन्होंने आरोप लगाया, क्या भाजपा सरकार ने झारखंड के किसानों का कोई कर्ज माफ किया...? नहीं, क्योंकि आप आदिवासी, दलित और ओबीसी हैं। भाजपा कभी आपका कर्ज माफ नहीं करेगी, क्योंकि वह पूंजीपतियों का कर्ज माफ करती है।

सिमडेगा में एक और रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने भाजपा पर आदिवासियों से 'जल, जंगल, जमीन' छीनने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने झारखंड में होने जा रहे विधानसभा चुनाव को विपक्षी दलों के 'इंडिया' गठबंधन और भाजपा-आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के बीच विचारधारा की लड़ाई बताया।

व्यापार को बढ़ावा देने के लिए पूर्वोत्तर में देश की सीमाओं पर ध्यान दे रही है सरकार : एलपीएआई प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दरांगा/भाषा। केंद्र सरकार देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों से होकर गुजरने वाली अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर पारगमन (ट्रांजिट) मार्गों के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसका मकसद देश की सीमा से जुड़े मित्र देशों के साथ व्यापार को बढ़ावा देना है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण (एलपीएआई) के चेयरमैन आदित्य मिश्रा ने कहा कि एक ही छत के नीचे व्यापार और आव्रजन के लिए उचित सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न देशों के साथ सीमाओं पर देशभर में एकीकृत पारगमन पत्तन विकसित किए जा रहे हैं।

मिश्रा ने बातचीत में कहा, सरकार का विचार है कि पारगमन बंदरगाहों में उचित सुविधाएं और उचित सुरक्षा हो ताकि ये बिना किसी अव्यवस्था के सुरक्षित और आरामदायक स्थान बन सकें।

इस महीने के अंत में सत्र से इतर ट्रेनिंग के लिए दक्षिण अफ्रीका जायेंगे नीरज चोपड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा अगले साल होने वाली प्रतियोगिताओं की शुरुआती तैयारी शुरू करने की मुहिम में सत्र के इतर ट्रेनिंग के लिए इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम जायेंगे।

ओलंपिक में दो बार के पदक विजेता 26 वर्षीय नीरज अंतिम बार सितंबर में डायमंड लीग फाइनल में खेले थे। वह दक्षिण अफ्रीका के इस शहर में ट्रेनिंग के लिए 31 दिन रहेंगे। चोपड़ा की ट्रेनिंग का खर्चा खेल मंत्रालय उठाएगा। मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा, वह अपनी ट्रेनिंग जल्दी शुरू करेंगे और 31 दिन के लिए पोटचेफस्ट्रूम में रहेंगे। इसके अनुसार, नीरज की ट्रेनिंग का खर्च खेल मंत्रालय उठाएगा जिसमें उनके और उनके फिजियोथेरेपिस्ट के दक्षिण अफ्रीका में रहने के दौरान रहने, खाने-पीने और ट्रेनिंग का खर्च शामिल होगा।

चोपड़ा ने पहले भी टोक्यो और पेरिस ओलंपिक से पहले कई बार पोटचेफस्ट्रूम में ट्रेनिंग की है। उन्होंने जनवरी 2020 में भी वहां एक प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था जो दुनिया भर में कोविड-19 महामारी फैलने से ठीक पहले हुई थी। चोपड़ा पूरे वर्ष जांघ की मांसपेशियों की परेशानी से जूझते रहे जिससे पेरिस ओलंपिक और डायमंड लीग फाइनल में उनका प्रदर्शन भी प्रभावित हुआ। उन्होंने सत्र के अंत में डॉक्टरों से परामर्श लेने की बात कही थी ताकि वह इस समस्या से निजात पाने के लिए सर्जरी कराने या नहीं कराने पर फैसला ले सकें। लेकिन 27 सितंबर को पीटीआई से बात करते हुए चोपड़ा ने चोट की चिंताओं को खारिज कर दिया था और कहा था कि वह अपनी तकनीक सुधारने की कोशिश करेंगे।

टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के तीन साल बाद पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले इस स्टार एथलीट ने कहा था, यह चोटों से घिरा हुआ वर्ष रहा लेकिन अब चोट ठीक है। मैं नये सत्र के लिए पूरी तरह फिट रहूंगा। हाल में वह जर्मनी के कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज से अलग हो गए जिन्होंने पारिवारिक प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी के साथ अपनी पांच साल की साझेदारी समाप्त कर दी।

ओडिशा में कॉलेज की छात्रा से उसके प्रेमी और अन्य ने दुष्कर्म किया, छह गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटक/भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के कटक जिले में कॉलेज में पढ़ने वाली 19 वर्षीय एक छात्रा से कई बार दुष्कर्म करने और इस कृत्य का वीडियो बनाने के आरोप में एक नाबालिग समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पीड़िता ने कटक के बादामबाड़ी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है और आरोप लगाया है कि उसके प्रेमी सहित अन्य आरोपियों ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

कॉलेज की छात्रा ने दावा किया कि वह दशहरा उत्सव के दौरान अपना जन्मदिन मनाने के लिए कटक के पुरीघाट में एक कैफे में गई थी और उसके प्रेमी ने कथित तौर पर कैफे मालिक की मदद से वहां उनके कुछ अंतरंग क्षणों का वीडियो बना लिया। कटक के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) जगमोहन मीणा ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने महिला को अंतरंग वीडियो दिखाकर ब्लैकमेल किया और कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि चार नवंबर को दर्ज शिकायत के आधार पर पीड़िता के प्रेमी, कैफे मालिक, एक लड़के और तीन अन्य को अगले दो दिनों के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), सूचना एवं प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने उनके मोबाइल फोन से वीडियो भी बरामद कर लिए हैं।

सुविचार

गलतफहमियों के सिलसिले आजकल इतने दिलचस्प है कि, हर ईंट सोचती है कि दिवार मुझ पर टिकी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महिलाओं की सुरक्षा को दें प्राथमिकता

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग ने महिलाओं की निजता और सुरक्षा के संबंध में जो प्रस्ताव दिया है, उसके सुझावों पर चर्चा होनी चाहिए। हो सकता है कि इनमें से कुछ सुझाव हू-ब-हू लागू न किए जा सकें, लेकिन उनमें परिस्थितियों के अनुसार संशोधन किए जा सकते हैं। सैलून, बुटीक और ऐसे प्रतिष्ठान, जहां मुख्य ग्राहक महिलाएं हों, वहां तो अनिवार्यत: महिला कर्मचारियों को नियुक्त करना चाहिए। जब हर क्षेत्र में महिलाएं कार्यरत हैं, नेतृत्वकर्ता की भूमिका में भी हैं, तो यहां महिला कर्मचारियों को नियुक्त करने में क्या समस्या है? उदाहरण के लिए, महिलाओं के अंत:वस्त्रों से संबंधित कई दुकानों पर पुरुष कर्मचारी तैनात मिलते हैं। अगर वहां महिला कर्मचारी हों तो (महिला) ग्राहकों के लिए प्रॉडक्ट खरीदने, पूछताछ करने आदि में बहुत आसानी होगी। इसका मतलब यह नहीं है कि पुरुष कर्मचारियों को कहीं भी नियुक्त नहीं करना चाहिए। उन्हें दूसरी जिम्मेदारियां दी जा सकती हैं, लेकिन जहां कोई महिला ग्राहक अपनी पसंद का प्रॉडक्ट लेना चाहे, वहां महिला कर्मचारी तैनात हो तो वह बेझिझक खरीदारी कर सकती है। जिस सैलून में महिला ग्राहक केश कटवाने के लिए जाएं, वहां यह काम महिला कर्मचारी करेंगी तो महिलाएं ज्यादा सहज महसूस करेंगी। इसी तरह जहां महिलाओं के कपड़े सिले जाते हैं, वहां नाप लेने का काम अनिवार्यत: महिला कर्मचारियों द्वारा किया जाना चाहिए। पिछले कुछ सालों में पुलिस के पास ऐसे कई मामले आए हैं, जिनमें महिला ग्राहकों ने नाप लिए जाने के दौरान अभद्रता करने के आरोप लगाए हैं। ये आरोप कितने सच्चे हैं, यह तो न्यायालय तय करेगा, लेकिन सरकारों को ऐसी व्यवस्था का निर्माण करना चाहिए, जिससे इस किस्म के विवाद पैदा ही न हों। अगर महिला कर्मचारी महिला ग्राहकों के कपड़ों का नाप लें तो बहुत सुविधाजनक भी रहेगा।

इन सुझावों पर कई लोग यह 'तर्क' देंगे कि 'कैसी बातें कर रहे हैं', 'अमेरिका, यूरोप ... कहां से कहां चले गए, जबकि हम यहीं अटके हैं'! वास्तव में हमारी सरकारों को ऐसे नियम बनाने और लागू करने चाहिएं, जो यहां की सामाजिक आवश्यकताएं पूरी करें और जिनमें परिवेश और संस्कृति के पहलू को भी ध्यान में रखा जाए। अमेरिका और यूरोप की सभी बातें कॉपी कर यहां लागू नहीं की जा सकतीं। भारत में अक्सर ऐसे मामलों से जुड़ीं खबरें पढ़ने को मिलती हैं, जिनमें महिलाओं से अभद्रता और अशालीन हरकतें करने के आरोप लगाए जाते हैं। इंटरनेट पर सर्च करेंगे तो ऐसे शीर्षक के साथ दर्जनों खबरें मिल जाएंगी ... 'नाप लेने के बहाने की छेड़छाड़', 'महिलाओं को मेहंदी लगाने वाले शख्स पर ... का आरोप', 'जिम ट्रेनर पर छेड़छाड़ का आरोप'। इन आरोपों की पृष्ठभूमि जांच का विषय हो सकती है। किसी व्यक्ति को उसी स्थिति में दोषी कहा जा सकता है, जब न्यायालय इस बात का निर्णय कर दे। यह भी सत्य है कि इन स्थानों पर तैनात ज्यादातर पुरुष कर्मचारी बहुत मेहनत और ईमानदारी से काम करते हैं। लिहाजा एक ही बात सभी कर्मचारियों के साथ जोड़ देना न्यायोचित नहीं है। इसके साथ हमें महिला ग्राहकों के पक्ष को भी देखना होगा। क्या यह नहीं होना चाहिए कि उन्हें खरीदारी / सेवा क्रय करते समय ऐसा माहौल मिले, जिसमें वे ज्यादा सहज महसूस करें? इसे एक और उदाहरण से समझा जा सकता है। कुछ साल पहले भारत के एक स्टेडियम में महिलाओं के प्रवेश के दौरान उनके पर्स की जांच पुरुष पुलिसकर्मी द्वारा किए जाने का मुद्दा सोशल मीडिया पर चर्चा में रहा था। उनके पर्स में कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली, पुलिसकर्मी का बर्ताव भी ठीक था, लेकिन उन महिलाओं ने (बाद में) अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि पर्स में उनके निजी इस्तेमाल की कुछ चीजें थीं। जब पुलिसकर्मी ने जांच के दौरान उन चीजों को सबके सामने बाहर निकाला तो महिलाओं को झिझक महसूस हुई। अगर यही काम किसी महिला पुलिसकर्मी द्वारा किया जाता तो कोई दिक्कत ही नहीं होती। इन सभी बिंदुओं को ध्यान में रखकर ऐसे नियम बनाने चाहिएं, जिनकी आज आवश्यकता हो।

ट्वीटर टॉक

मोक्षदायिनी माँ गंगा के पावन आशीर्वाद से अभिसिंचित 'पीतल नगरी' जनपद मुरादाबाद के कुन्दरकी विधान सभा क्षेत्र की ऊर्जावान जनता-जनार्दन को आज संबोधित किया। जन-आशीर्वाद से उपचुनाव में यहां भी विकास और सुशासन का 'कमल' खिलना सुनिश्चित है।

-योगी आदित्यनाथ

केशवराय पाटन में आज कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। शिक्षा, रोड कनेक्टिविटी, खेल सुविधाएं, पेयजल से जुड़े यह कार्य ग्रामीण अंचल में मूलभूत सुविधाओं की स्थिति को सुदृढ़ करते हुए जन-जीवन को बेहतर बनाएंगे।

-ओम बिरला

देश के विकास में अहम भूमिका निभाने वाले, भाजपा परिवार के पुरोधा, राजनीति में अपने समर्पण व सिद्धांतों से करोड़ों कार्यकर्ताओं के आदर्श, आदरणीय श्री लालकृष्ण आडवाणी जी को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

स्वतंत्रता की प्रतिबद्धता

भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान एक बार बम केस के संबंध में कलकत्ता के एक पुलिस कमिश्नर ने अचानक अरविंद घोष के निवास पर धावा बोला। पुलिस कमिश्नर यह देखकर स्तब्ध रह गया कि कमरे में चारों ओर किताबें बिखरी पड़ी थीं, सोने के लिए जमीन पर एक चटाई बिछी पड़ी थी, खाने में थोड़े बिस्किट रखे थे, और नारियल के रेशे से बुनी एक खाट पड़ी थी। पूछताछ के दौरान प्राप्त उत्तरों से अरविंद घोष की विद्वता से संतुष्ट होकर पुलिस कमिश्नर वापस लौट गया। अरविंद मुस्कराते हुए मन ही मन बोल रहे थे कि अंग्रेजी शासन को भगाने का मेरा यह साधारण माहौल भी शास्त्र के कार्य के रूप में सहायक होगा, और मेरा देश निश्चित रूप से स्वतंत्र होगा। ब्रिटिश स्कूल और कॉलेज की शिक्षा से संपन्न व्यक्ति अरविंद घोष भारत को स्वतंत्र कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध थे। उनकी यह निष्ठा और प्रतिबद्धता कालांतर में भारत की स्वतंत्रता के रूप में फलीभूत हुई।

सामयिक

असाधारण है अमेरिकी चुनाव परिणाम

अवधेश कुमार
मोबाइल-9811027208

डोनाल्ड ट्रंप और उनके साथ अमेरिका ने भी इतिहास निर्माण कर दिया। हर चुनाव में एक पक्ष जीतता और दूसरा हारता है लेकिन इसके मायने होते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की विजय और डेमोक्रेट कमला हैरिस की पराजय के साथ अमेरिकी इतिहास में एक नए दौर की शुरुआत हुई है। जिस डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका में केवल डेमोक्रेट ही नहीं उनकी अपनी पार्टी, मीडिया, पूंजीपतियों, थिंक टैंक, विश्वविद्यालयों आदि का एक बड़ा समूह समाप्त करने के लिए पूरी शक्ति लगा चुका हो वह वापस आकर इन सबको चुनौती दे और जीत का झंडा गाड़ दे तो इसे किसी दृष्टि से साधारण घटना नहीं माना जा सकता। मतदान समाप्त होने के साथ ही ट्रंप ने लिखा कि आज रात अमेरिका के लोगों ने बदलाव के लिए स्पष्ट जनादेश दिया। ट्रंप और कमला हैरिस के बीच माना जा रहा था कि कांटे की टक्कर है। परिणाम ने इसे गलत साबित कर दिया। ट्रंप ने अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाया और कमला हैरिस पिछले चुनाव में बिडेन के मत की भी बराबरी नहीं कर पाईं। 2020 में जिस जॉर्जिया से ट्रंप अत्यंत कम अंतर से हारे थे जब वहां का परिणाम उसके पक्ष में गया, फिर नॉर्थ कैरोलिना से उनके समर्थन का परिणाम आया तो लग गया कि अमेरिकी जनता का राजनीति और देश को लेकर मनोविज्ञान बदला है। स्विंग माने जाने वाले अन्य राज्यों पेंसिलवेनिया, एरीजोना, मिशीगन, विस्कांसिन और नेवाडा में भी हैरिस को अपेक्षित समर्थन नहीं मिला। ट्रंप ने इलेक्टरल के अलावा पॉपुलर मतों के मामले में भी सफलता पाई जो उनके 2016 की जीत से अलग कहानी बताती है। अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी ने 1992 के बाद ऐसा प्रदर्शन कभी नहीं किया था। अमेरिकी इतिहास में केवल 1892 में ग्रोवर क्लब्लैंड ही ऐसे राष्ट्रपति हुए जो 4 वर्ष के बाद फिर से चुने गए। इस तरह ट्रंप अमेरिकी इतिहास के ऐसे दूसरे व्यक्ति बन गए हैं।

वास्तव में अनेक दृष्टियों से यह असाधारण परिणाम है। ट्रंप पर दो बार जानलेवा हमले हुए, राष्ट्रपति काल में उन्हें दो बार महाभियोग का सामना करना पड़ा। जब वहओ व्हाइट हाउस से विदा हुए थे उस समय की स्थिति को याद करिए। 7 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद पर ऐसा पहला हमला हुआ था जिसमें पुलिस को डंडे के अलावा गोली तक चलानी पड़ी। ट्रंप को लोकतंत्र विरोधी, फासिस्ट साबित करने के लिए विरोधियों ने कोई कसर नहीं छोड़ी। आपराधिक आरोप के मुकदमे भी चले। अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार हुआ जब डेमोक्रेटिक ने अंतिम दौर में जो बिडेन को उम्मीदवारी के दौर से हटाकर कमला हैरिस को सामने लाया। धन के मामले में भी कमला हैरिस ट्रंप से बहुत आगे निकल गईं। मीडिया ने ऐसा वातावरण बनाया मानो ट्रंप पिछड़ चुके हैं। परिणाम क्या आया? राष्ट्रपति चुनाव ही नहीं सीनेट में भी रिपब्लिकन को बहुमत मिला तथा प्रतिनिधि सभा में बेहतर स्थिति में आए। इसका निष्कर्ष यह है कि अमेरिका के लोगों ने ऐसा जनादेश दिया ताकि ट्रंप अपनी घोषणाओं या एजेंजे में किसी तरह के बड़े अवरोध का सामना करने से बचे रहे। अमेरिकी इतिहास में यह सबसे अधिक मतदान वाला चुनाव हुआ है। समाज के जिस वर्ग का समर्थन डेमोक्रेट को मिलने की परंपरा रही है उनमें भी ट्रंट प्रवेश कर चुके हैं। सर्वेक्षणों के अनुसार महिलाओं का मत कमला हैरिस के पक्ष में झुका रहा लेकिन बिडेन को प्राप्त मतों से वह पीछे ही रही। अश्वेतों, लैटिन अमेरिकियों, एशियाई समूहों में से भी लगभग एक तिहाई मतदाताओं ने ट्रंप के लिए वोट किया। हां, श्वेत मतदाताओं के समर्थन में थोड़ी कमी आई। ये सारे तथ्य बताते हैं कि अमेरिकी जनमानस ट्रंप को लेकर कितना बदला है।

वास्तव में ट्रंप ने 2020 के चुनाव परिणाम को स्वीकार नहीं किया तथा कहा कि उन्हें धांधली से हराया गया है। यद्यपि उन्होंने 20 जनवरी, 2021 को चुपचाप व्हाइट हाउस से विदा ले ली और जो बिडेन का शपथ ग्रहण समारोह हुआ जिसमें शामिल नहीं हुए। उन्होंने बयान दिया कि आज से संघर्ष की शुरुआत हुई है और अमेरिका के भविष्य के लिए वे इसे जारी रखेंगे। पूरे देश में रिपब्लिकनों के अंदर और बाहर भी ऐसे लोगों की बड़ी संख्या थी जिन्होंने माना कि सत्ता प्रतिष्ठान के प्रभावी तत्वों ने ट्रंप को हराने में भूमिका निभाई है। इसके विरुद्ध तब जगह-जगह प्रदर्शन हुए और अनेक स्थानों पर पुलिस से लोगों की झड़पें हुईं। संसद पर हमले के आरोप लगे। साबित नहीं किया जा सका कि उसमें ट्रंप की भूमिका थी। ऐसा हो जाता तो वह राष्ट्रपति चुनाव लड़ने से वंचित रह जाते जिनकी पूरी कोशिश की गई। सच कहें तो ट्रंप ने रिपब्लिकनों के साथ देश की सोच बदलने तथा राजनीति में नए चेहरों को खड़ा करके जीत सुनिश्चित की। डेमोक्रेट स्वयं को अति वामपंथी या लिबरल साबित करने के लिए जो कुछ करते रहे उसे आम लोगों ने सहजता से स्वीकार नहीं किया। आश्चर्यजनक रूप से शारीरिक श्रम करने वाले श्रमिकों तथा निम्न आय वर्ग के लोगों का समर्थन रिपब्लिकन में बढ़ा है। डेमोक्रेट एलिट व शिक्षित वर्ग के एक समूह तथा हॉलीवुड एवं थिंक टैंक के बीच अपनी पहचान की व नीति के लिए सिमटती गई है। लोगों ने माना कि वे जो आवाज उठा रहे हैं वह अमेरिका की सामूहिक भावना नहीं है। बिडेन के कार्यकाल में आंतरिक रूप से अमेरिका कमजोर हुआ, वैश्विक स्तर पर भी उसकी छवि धूमिल हुई। हालांकि सर्वेक्षणों में अधिकतर मतदाताओं की चिंता वैश्विक या विदेश नीति नहीं थी। यानी अमेरिकी लोगों की प्राथमिकताएं बदली है। ट्रंप का मेक अमेरिका ग्रेट अगेन यानी मागा लोगों के दिलों में गया। अवैध घुसपैठ, बढ़ती महंगाई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्ध एवं अस्थिरता को उन्होंने बड़ा मुद्दा बनाया और लोगों को अपील कर गया। वस्तुतः 2021 में ही दिखा था कि अमेरिका में ट्रंपवाद का नया दौर शुरू हो चुका है जिसका व्यापक समर्थन है, परंपरागत डेमोक्रेट, एलिट, अति लेफ्ट लिबरल राजनीति का समर्थन घट रहा है। संपूर्ण विश्व में धीरे-धीरे द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान या उसके बाद बनाई गई राष्ट्रवाद को संकुचित एवं युद्धजनित सोच को लोगों ने त्यागना आरंभ कर दिया है और वे अपने देश की सभ्यता-संस्कृति, जीवन मूल्य के साथ राष्ट्र के प्रति गर्व का सामूहिक भाव व्याप्त हो रहा है। लोगों को लगने लगा कि उनके नेता व थिंक टैंक द्वारा उठाए मुद्दे व विचार उनकी स्वाभाविक सोच के करीब नहीं थे। ट्रंप ने 2016 में इसको आवाज दी और व्हाइट हाउस से बाहर निकालने के बाद उन्होंने इसे जारी रखा। इससे अमेरिकी राजनीति का वर्णक्रम काफी हद तक बदलने में सफलता पाई। डेमोक्रेट के काल में पारिवारिक मूल्यों का विघटन भी मुद्दा था। आम लोग यह अंदर से स्वीकार नहीं पा रहे थे कि उनके बच्चों को स्कूल जाने के साथ यह अधिकार प्राप्त हो कि वे स्त्री या पुरुष में से कुछ भी बने या फिर दोनों के बीच का बन जाएं। इस तरह कह सकते हैं कि 2016 में दिखी अमेरिकी मतदाताओं की सोच 2024 में ज्यादा सुदृढ़ हुई है और आगे इसके और सशक्त होने की संभावना है। अमेरिकी चुनाव अभियान में ट्रंप केंद्रित ठीक वैसे ही परिदृश्य,आरोप-प्रत्यारोप एवं मुद्दे थे जो हम भारत में देखते हैं। यानी ट्रंप का आना लोकतंत्र के लिए खतरनाक होगा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता -धार्मिक स्वतंत्रता खत्म हो जाएगी, अल्पसंख्यकों के अधिकार समाप्त कर दिए जाएंगे, संविधान कमजोर होगा और वैश्विक स्तर पर युद्ध एवं तनाव का खतरा ज्यादा बढ़ेगा।

अमेरिका के बदले मनोविज्ञान में इनको पहले की तरह समर्थन मिलने की संभावना नहीं है। ट्रंप ने इसके विपरीत कहा कि मेरे 4 वर्ष के कार्यकाल में कोई युद्ध नहीं हुआ, मैं युद्ध का नहीं शांति का समर्थक हूं लेकिन पीस विद स्ट्रेंथ। ट्रंप ने अपने कार्यकाल में अमेरिकी अर्थव्यवस्था सुधारी, विदेश नीति में आश्चर्यजनक सफलताएं प्राप्त की। पश्चिम एशिया में इजरायल के साथ सऊदी अरब व संयुक्त अरब अमीरात के राजनीतिक संबंध स्थापित होंगे इसकी कल्पना नहीं थी जो उन्होंने कर दिखाया। इस तरह ट्रंप अमेरिका की घरेलू नीति के साथ वैश्विक व्यवहारों पर भी बदलाव दिखायेंगे। भारत के लिए इससे बेहतर परिणाम अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में कुछ नहीं आ सकता। बांग्लादेश को लेकर उन्होंने बिडेन प्रशासन की कड़ी आलोचना की। इसका असर दिखेगा। उन्होंने वोट के लिए ही सही अगर हिंदुओं के पक्ष में बयान दिए तथा उनकी रक्षा और साथ देने का संकल्प दिखाया तो वह इससे पीछे हटेंगे ऐसा तत्काल मानने का कोई कारण नहीं है। वस्तुओं पर कर और व्यापार के कुछ मुद्दों को छोड़कर उनका भारत से किसी बिंदु पर कोई मतभेद नहीं रहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उन्होंने अपने साक्षात्कारों में प्रशंसा करते हुए व्यक्तिगत मित्र बताया। इस तरह मानकर चलना चाहिए कि उनके कार्यकाल में अमेरिकी भारत संबंध सशक्त होंगे और वैश्विक स्तरों पर दोनों देश अनेक मुद्दों पर उसी तरह सहयोग की भूमिका में दिखेंगे जैसा 2016 से 2020 के बीच था।

नजरिया

मदरसों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने में परहेज क्यों?

शाहिद नकवी

उत्तर प्रदेश मदरसा एक्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट के सुप्रीम फैसले से अब संभावना है कि इससे मदरसा शिक्षा को लेकर उपजे विवाद व हजारों मदरसों की अनिश्चितता समाप्त होगी। ये अच्छा मौका है कि मदरसों में आधुनिक शिक्षा के बीज रोपित कर दिए जाएं। उम्मीद है कि मदरसों में इस्लामिक शिक्षा के साथ अब दुनियावी तालीम के बोल भी गुनगुनाए जाएंगे। मदरसों की दर-ओ-दीवारों में कलमा, दीनीयात और कुरान की आयातों के बोल गूंजें। हिफ्ज और अरबी-फारसी तालीम के साथ विज्ञान, सामान्य ज्ञान और गणित-इंग्लिश की किताबें भी बच्चों के हाथों में पहुंचें ये बहुत जरूरी ही नहीं अनिवार्य है।अदालत ने रास्ता साफ किया है, तो समुदाय और मदरसा संचालकों को भी सरकार से दो कदम आगे बढ़ कर कदमताल करना चाहिए। दरअसल मदरसों की तालीम और आधुनिक शिक्षा के बीच दूरी जानबूझ कर पैदा की गई है। ये दूरी किसी और ने नहीं वरन खुद मुस्लिम समुदाय के कुछ ऐसे लोगों ने पैदा की है,जिनको ऐसा करने से फायदा था और मदरसों को धार्मिक शिक्षा तक सीमित कर दिया।

जबकि मदरसा का असली मकसद सिर्फ धार्मिक शिक्षा देना नहीं होता है। मदरसा मतलब शिक्षा का स्थान। वहीं इस्लाम में आधुनिक शिक्षा की मनाही नहीं है। जिस मज़हब में ये कहा गया हो कि तालीम हासिल करने लिए सुदूर पूर्व भी जाना पड़े तो जाओ। वहां ऐसे इदारों को धार्मिक डोरी में बांध दिया गया है। मदरसों में पढ़ने वाले छात्र अगर आधुनिक शिक्षा भी हासिल कर लेंगे तो वह नौकरी के बाजार में टिक कर अपने लिए जगह बना सकेंगे। मदरसों में आधुनिक शिक्षा की शुरुआत करना चाहिए ताकि मदरसों में पढ़ने वाले बच्चे आगे चलकर अच्छे कालेजों में प्रवेश पा सकें। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के मदरसा बोर्ड अधिनियम को लेकर बड़ा औ अच्छा फैसला सुनाया है।जिसमें हाई कोर्ट ने यूपी के मदरसा एक्ट को असंवैधानिक कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मदरसों में जो गैर मुस्लिम बच्चे पढ़ते हैं, उन्हें इस्लामिक साहित्य पढ़ने और इस्लामिक रीति रिवाजों का पालन करने पर मजबूर नहीं किया जा सकता है।इस मामले में सेकुलर मूल्यों की अहमियत रेखांकित हुई है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मदरसों में मिलने वाली ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री को गैरकानूनी घोषित कर दिया। सुप्रीम कोर्ट को इस बात का अहसास था कि इस आदेश का प्रभाव न सिर्फ यूपी बल्कि पूरे देश के अल्पसंख्यक संस्थानों से जुड़े मामलों पर होगा। इसलिए उसने यह साफ करने में कोई कमी नहीं रखी कि अल्पसंख्यक समुदायों को अपने संस्थान चलाने का अधिकार है तो राज्य को भी उन संस्थानों में दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का अधिकार है। इस संबंध में यूपी सरकार का रुख भी गौर करने लायक है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया कि हाईकोर्ट के फैसले को उसने स्वीकार जरूर कर लिया था, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह उसके रुख से सहमत थी। उसने भी सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के रुख से अपनी सहमति दर्ज कराई। दरअसल आधुनिक कक्षाओं में शिक्षित मुसलमानों और मदरसों, खानकाहों,उर्दू-माध्यम के स्कूलों, या लगभग कहीं और शिक्षित मुसलमानों के बीच हमेशा एक बड़ी असमानता रही है।इसलिए भी मुस्लिम मदरसों का आधुनिकीकरण महत्वपूर्ण है।समुदाय के लिए शिक्षा में सुधार आवश्यक है क्योंकि कई रिपोर्टों में मुसलमानों को बेहद पिछड़ा बताया गया है। आंकड़ों के मुताबिक मुसलमानों की साक्षरता दर राष्ट्रीय साक्षरता दर के मुकाबले बहुत कम है। अफसोस है कि यह अंतर समय के साथ कम हाना चाहिए था।लेकिन बढ़ रहा है।आधुनिक शिक्षा इन मदरसों से स्नातक करने वाले मुस्लिम छात्रों को एक प्रगतिशील सामाजिक-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य देगी और उन्हें भारत को एक सफल लोकतांत्रिक राष्ट्र बनाने में भी सहयोग करेगी। धार्मिक शिक्षा को स्थिर करने और समुदाय की स्थिति में सुधार करने के लिए शिक्षकों के लिए एक उचित वेतनमान और विद्यार्थियों के लिए मूल्यांकन की भी आवश्यकता है।मुस्लिम पिछड़ापन और आधुनिकता का विरोध इस विमर्श के प्रमुख घटक हैं।देश में कई राज्य सरकारें उलेमाओं को नई नस्ल बनाने के लिए इस्लामी और आधुनिक शिक्षा को मिलाने की कोशिश कर रही हैं,जो इस्लामी परंपरा और आधुनिक दुनिया के ज्ञान से जोड़ती हैं।यह बहुत स्पष्ट है कि मदरसों को इस तरह से अद्यतन करने की जरूरत है कि यहां ऐसे पेशेवर न पैदा हों जो प्रतिष्ठान के लक्ष्यों के खिलाफ काम करें बल्कि इसके बजाय डॉक्टर,इंजीनियर,वैज्ञानिक और अन्य जैसे पेशेवर तैयार भी हों।दरअसल मदरसे इन समायोजनों का समर्थन करते हैं जो एक आलिम को बदलते वैश्विक परिवेश के संदर्भ में एक अच्छा और उत्पादक व्यक्ति बनने में सक्षम बनाते हैं।

मदरसों के बच्चे भी अकादमिक रूप से सफल हो और उन्हें मदरसों की पारंपरिक शिक्षा में हस्तक्षेप किए बिना वास्तविक दुनिया में प्रौद्योगिकी और अन्य विषयों जैसे नए कौशल सीखने का अवसर मिले, स्मार्ट कक्षाएं जाने का रास्ता साफ हो। भारत में मदरसों का बहुत पुराना इतिहास रहा है। हालांकि इसकी उत्पत्ति को लेकर कुछ विवाद है,फिर भी प्राप्त जानकारी के मुताबिक एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में पहला मदरसा 1191-92 ई. में अजमेर में खोला गया था। उस समय मोहम्मद गौरी का शासन हुआ करता था। हालांकि यूनेस्को की ये जानकारी है कि भारत में 13वीं शताब्दी में मदरसों की शुरुआत हुई। विश्व में तो मदरसों का इतिहास और पुराना है। भारत में मुगल सम्राटों ने मदरसों को प्रोत्साहन दिया, खासकर अकबर ने, विभिन्न विषयों को शामिल करते हुए मदरसों का एक व्यापक नेटवर्क स्थापित किया। अंग्रेजों ने मदरसों पर नियंत्रण स्थापित किया और उन्हें ऽओरिएंटल कॉलेज' में बदल दिया। जहां फारसी और अरबी भाषाओं के साथ-साथ कानून और राजनीति भी पढ़ाई जाती थी।आजादी के बाद भारत में मदरसों का आधुनिकीकरण हुआ,और कई मदरसों ने आधुनिक शिक्षा को अपने पाठ्यक्रम में शामिल किया। इतना पुराना इतिहास होने के बाद भी मदरसा शिक्षा पर सवालिया निशान लगा है? वह भी तब जब मदरसों से राम मोहन राय, लेखक मुंशी प्रेमचंद्र सहित कई नामचीन हस्तियां भी निकली हैं।

इस पर उसके जिम्मेदारों और संचालकों को सोचना चाहिए। आखिर क्यों शिक्षा के ये पुरातन केंद्र अपनी राह से भटक गए। मदरसों पर उंगली अकारण नहीं उठती, हाल में ही प्रयागराज में एक मदरसे में नकली नोट छापने का प्रकरण प्रकाश में आया था। वहीं उत्तर प्रदेश में एसआईटी की पड़ताल में हजारों मदरसे अवैध पाये गए थे, शंका इस लिए भी बढ़ी क्यों कि ऐसे अधिकांश मदरसे भारत-नेपाल सीमा पर स्थित थे। फिर ऐसे मदरसा संचालक आय और व्यय का कोई लेखा जोखा भी नहीं दे सके। शिक्षा और कट्टरता का दूर दूर तक वास्ता नहीं है, फिर भी मदरसों पर कट्टरपंथी विचारधारा को बढ़ाने, युवाओं के ब्रेनवाश और तमाम तरह के आरोप लगते रहे हैं। दरअसल अब मदरसों को मुल्लाओं की नहीं, बल्कि महान इस्लामी विद्वानों की विरासत के रूप में चित्रित करना महत्वपूर्ण है। मदरसों के सामने समरकंद और बुखारा के बेहतरीन उदाहरण हैं। ये भी काबिले गौर है कि अन्य महान प्राचीन विश्वविद्यालयों ने भी धार्मिक अध्ययन को वैज्ञानिक अध्ययन के साथ जोड़ा। मदरसों को उनकी प्राचीन गौरवशाली वैज्ञानिक परंपराओं की ओर वापस ले जाना चाहिए। देश में वक्फ बोर्डों के पास अकूत संपत्ति है। लेकिन अफसोस कि उधर से कभी भी मदरसों के आधुनिकीकरण के लिए कोई प्रयास नहीं हुए। सरकार के लिए ये सम्भव नहीं है कि वह हर मदरसों को उन्नत करे। देश में हजारों मदरसे पूर्ण सरकारी सहायता से चल रहे हैं।लेकिन देखने में आया है कि ऐसे कुछ मदरसे परिवारिक सम्पत्ति बन कर रह गए हैं। कुछ अनुदानित मदरसों में तो नौकरी भी विरासत में चलती है।इसी साल की शुरुआत में मध्य प्रदेश में मदरसों में सरकारी अनुदान लेने के लिए बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा करने का मामला सामने आया था।

फर्जीवाड़ा ऐसा कि जिस छात्र का नाम 2004 में दर्ज था,वहीं छात्र 2018 और फिर 2023 में भी दर्ज पाया गया। मध्य प्रदेश के भिंड, मुरैना, श्योपुर आदि जिलों में तो कई ऐसे मामले भी सामने आये,जिसमें मदरसों के रजिस्टर में मुस्लिमों से अधिक हिंदू बच्चों का नामांकन दिखाया गया था। यानी गरीबों को तालीम देने के नाम पर मदरसा खोलने वालों ने अपने हाथ खुद काले किए। इसलिए ये जरूरी है कि मुस्लिम अभिजात वर्ग को आमूल-चूल परिवर्तन के लिए आगे आना चाहिए।वक्फ बोर्ड और अभिजात वर्ग को ये आंकड़े भी देखने चाहिए कि,भारत में रहने वाले मुसलमानों की साक्षरता दर एससी/एसटी और ओबीसी से कम है।राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार, भारत में केवल 48 प्रतिशत मुस्लिम छात्र 12वीं कक्षा तक पढ़ते हैं, जबकि 14 प्रतिशत 12वीं कक्षा से आगे की पढ़ाई करते हैं। मेरे कहने का ये मतलब नहीं है कि मदरसों की पढ़ाई बेमतलब है,साउथ के मदरसों में आईएएस, पीसीएस, डाक्टर और इंजीनियर भी निकलते हैं, तो देश के दूसरे हिस्सों से भी निकल सकते हैं। इसके लिए वहां आधुनिक शिक्षा का पढ़ाया जाना और सरकार के साथ कदम मिलाना बेहद जरूरी है। ये भूल है कि आधुनिक शिक्षा से मदरसों का मकसद खत्म हो जायेगा।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सीजेआई चंद्रचूड़ : समाज को आकार देने वाले ऐतिहासिक निर्णय लिखे; कुछ विवादास्पद फैसले भी दिए

नई दिल्ली/भाषा

अयोध्या भूमि विवाद, अनुच्छेद 370 को हटाना और सहमति से बनाए गए समलैंगिक यौन संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने जैसे समाज और राजनीति पर अमिट छाप छोड़ने वाले कई फैसले निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ के नाम हैं। भारत के 50वें प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को कई सारगर्भित बयानों के लिए भी जाना जाता है।

शुक्रवार को न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ (जिन्हें डीवाईसी के नाम से भी जाना जाता है) का शीर्ष अदालत में आखिरी दिन था। इसके साथ ही, वकील, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश और देश की न्यायपालिका के प्रमुख के रूप में उनके एक लंबे करियर का समापन हो गया। हालांकि असल में, वह रविवार को सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

हमेशा अपनी बात कहने वाले न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने 500 से अधिक फैसले लिखे, जिनमें से कुछ की आलोचना भी हुई और कई की प्रशंसा की गई।

चंद्रचूड़ की विरासत का एक भौतिक स्वरूप भी है – एक नई कल्पना के अनुरूप 'न्याय की देवी'। पहले, न्याय की देवी' यूनानी परिधान में हुआ करती थी, जिसकी आंखों पर पट्टी बंधी थी। उसकी जगह छह फुट ऊंची नई प्रतिमा स्थापित की गई, जिसके एक हाथ में तराजू और दूसरे हाथ में तलवार की जगह संविधान है। साड़ी पहनी हुई 'न्याय की देवी' की नई प्रतिमा के सिर पर मुकुट है और आंखों पर पट्टी नहीं बंधी हुई है।

शीर्ष अदालत में उनके अंतिम कार्य दिवस से एक दिन पहले न्यायालय ने अपने ग्रीष्मकालीन अवकाश को ''आंशिक न्यायालय कार्य दिवस'' के रूप में नया नाम दिया। ग्रीष्मकालीन अवकाश की इस बात को लेकर आलोचना की जा रही थी कि शीर्ष अदालत के न्यायाधीश लंबी छुट्टी पर रहते हैं।

निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश के पिता वाई वी चंद्रचूड़ भी प्रधान न्यायाधीश (1978 से 1985) रहे थे, जो इस पद पर सबसे लंबा कार्यकाल था। यह उच्चतम न्यायालय में सर्वोच्च पद पर पिता और पुत्र के आसीन रहने का एकमात्र उदाहरण है।

दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज एवं दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कैंपस लॉ सेंटर से पढ़ाई करने वाले तथा फिर हार्वर्ड लॉ स्कूल से एलएलएम और डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करने वाले डी वाई चंद्रचूड़ 9 नवंबर 2022 को प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किए गए थे। उनके द्वारा लिखे गए फैसलों की फेहरिस्त लंबी है और इसमें कानून के लगभग सभी पहलू शामिल हैं।

उनके द्वारा सुनाए गए फैसलों में व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा और न्याय प्रदान करने के लिए न्यायपालिका की प्रतिबद्धता स्थापित करना, निजता को शामिल करने के लिए मौलिक अधिकारों के दायरे का विस्तार करना और चुनावी बॉण्ड योजना को अमान्य करना शामिल है।

वह पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ द्वारा सुनाए गए उस ऐतिहासिक फैसले का हिस्सा थे, जिसने 'पैसिव यूथेंसिया' के लिए, असाध्य रोगों से पीड़ित मरीज द्वारा तैयार किए गए 'लिविंग विल' को मान्यता दी।

'लिविंग विल' एक लिखित बयान होता है, जिसमें भविष्य में ऐसी परिस्थितियों में रोगी की चिकित्सा के संबंध में इच्छाओं का उल्लेख रहता है, जब वह सहमति व्यक्त करने में सक्षम न हो।

चंद्रचूड़ कई संविधान पीठों का हिस्सा रहे और उन्होंने अयोध्या भूमि विवाद सहित कई ऐतिहासिक फैसले लिखे। उन्होंने राम जन्मभूमि–बाबरी मस्जिद भूमि विवाद मामले में, 2019 में आया सर्वसम्मति वाला फैसला लिखा था।

संबोधन

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को नई दिल्ली में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डीपीसीसी) के अध्यक्ष देवेंद्र यादव और कांग्रेस नेता अजय माकन की मौजूदगी में 'दिल्ली न्याय यात्रा' के शुभारंभ पर संबोधित किया।

आडवाणी हुए 97 साल के, प्रधानमंत्री मोदी सहित कई नेताओं ने दी बधाई

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र के साथ ही कई राज्यों में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को गढने में अहम भूमिका निभाने वाले पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी शुक्रवार को 97 वर्ष के हो गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित केंद्रीय मंत्रिमंडल के कई सदस्यों ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी और भाजपा के संगठन विस्तार में उनके योगदान को याद किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'भारत रत्न' से सम्मानित आडवाणी को जन्मदिन की बधाई दी और उनके लंबे व स्वस्थ जीवन की कामना की।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, लालकृष्ण आडवाणी जी को जन्मदिन की बहुत–बहुत शुभकामनाएं। यह वर्ष और भी खास है क्योंकि इसी साल उन्हें राष्ट्र के उत्कृष्ट सेवा के लिए 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा, भारत के सबसे प्रशंसित राजनेताओं में से एक आडवाणी ने देश के विकास को आगे बढ़ाने के लिए खुद को समर्पित किया। बुद्धिमत्ता और समृद्ध अंतर्दृष्टि के लिए उनका हमेशा सम्मान किया गया है। मेरा सौभाग्य है कि मुझे कई वर्षों तक उनका मार्गदर्शन प्राप्त रहा। मैं उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आडवाणी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने जनसेवा और संगठन कौशल का अनुपम परिचय देते हुए भाजपा को लोककल्याण का प्रतीक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, उनके नेतृत्व में भाजपा का संगठन सुदृढ़ और व्यापक हुआ। देश के पूर्व उप–प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के रूप में उनके कार्य अत्यंत प्रेरणादायक हैं। ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु होने की प्रार्थना करता हूं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने आडवाणी को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने अपने समर्पण और कठिन परिश्रम से भाजपा को सींचकर देशभर में इसे विस्तार देने तथा असंख्य कार्यकर्ताओं को गढ़ने में महनीय भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, संगठन के विस्तार एवं राष्ट्रसेवा के आपके महान विचार और कार्य करोड़ों कार्यकर्ताओं के पाथेय हैं।

ट्रंप मजबूत नेता हैं : भारतीय अमेरिकियों ने चुनाव में ट्रंप की जीत का स्वागत किया

न्यूयॉर्क/भाषा

भारतीय–अमेरिकी समुदाय के सदस्यों ने अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत का स्वागत करते हुए कहा कि देश को उनके जैसे ''मजबूत नेता'' की जरूरत है जो महंगाई पर काबू पाने और अवैध आव्रजन पर अंकुश लगाने के अपने वादे को पूरा करेंगे।

ऐतिहासिक चुनाव में ट्रंप ने अपनी डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी एवं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को हराया तथा वह अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति चुने गए हैं। वह एक सदी से भी अधिक समय में एक अंतराल के बाद दो बार राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने वाले दूसरे नेता बन गए हैं।

ट्रंप से पहले ग्रोवर क्लीवलैंड ऐसे नेता थे जिन्होंने 1885–1889 और 1893–1897 तक दो बार राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया था। अपनी चुनावी जीत के साथ ट्रंप राष्ट्रपति चुने जाने वाले पहले दोषी व्यक्ति और दो बार महाभियोग का सामना करने वाले भी नेता भी बन गए हैं। हालांकि, चुनाव में मतदाताओं के लिए यह कोई खास मुद्दा नहीं रहा और वे मजबूती से ट्रंप के साथ खड़े रहे।

भारतीय–अमेरिकी समुदाय के बीच ट्रंप के लिए समर्थन स्पष्ट नजर आया। प्रमुख भारतीय–अमेरिकी हृदय रोग विशेषज्ञ और सामुदायिक नेता डॉ अविनाश गुप्ता ने पीटीआई से कहा, ट्रंप एक मजबूत नेता हैं। देश को मजबूत नेतृत्व की जरूरत है। गुप्ता ने कहा, हमने देखा है कि ट्रंप ने चार साल तक क्या किया, और फिर हमने चार साल तक बाइडन–हैरिस प्रशासन देखा। अंतर बहुत स्पष्ट था।

मुंबई के कैफे में डोसा खाने पहुंचे अनुष्का विराट

मुंबई/एजेन्सी

इंडियन क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ हाल ही में मुंबई के एक कैफे में 'डोसा' खाने पहुंचे। दोनों के इस 'डोसा डेट' की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। शुक्रवार को हिन्दी फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम से एक कैफे की तस्वीर शेयर की। जिसमें कैफे के स्टाफ संग विराट कोहली भी नजर आ रहे हैं। तस्वीर के साथ अनुष्का ने लिखा, बचपन की यादें ताजा हो गई।

मुंबई के बांद्रा स्थित एक कैफे ने इंस्टाग्राम अकाउंट से विराट और अनुष्का की कई तस्वीरें पोस्ट की। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई पहली फोटो में विराट और अनुष्का कैफे के कर्मचारियों के साथ पोज दे रहे हैं। अनुष्का सामने खड़ी मुस्कुरा रही हैं।

विराट उनके पीछे खड़े हैं। विराट ने सफेद टी–शर्ट और टोपी पहनी हुई है। दूसरी तस्वीर में उनके खाने का बिल दिखाया गया है और तीसरी तस्वीर में एक टोपी पर विराट का ऑटोग्राफ है।

कैफे ने विराट और अनुष्का की पूरी टीम के साथ एक और तस्वीर पोस्ट की, जिसमें फोटोशॉप के जरिए एक अतिरिक्त टीम सदस्य को मजाकिया ढंग से जोड़ा गया। कैप्शन में बताया गया, एक दिन जब आप काम से चूक जाते हैं। दिनेश बहुत दुखी था कि वह आज शिफ्ट पर नहीं था, इसलिए हमने उसे फोटोशॉप करके शामिल कर लिया।

7 नवंबर को अनुष्का ने मुंबई बीच पर छठ पूजा मनाते भक्तों की एक तस्वीर पोस्ट की थी। तस्वीर में श्रद्धालु समुद्र में पवित्र डुबकी लगाते हुए पूजा–अर्चना करते हुए दिखाई दे रहे हैं। कई लोग पानी में खड़े दिखाई दे रहे हैं, जो इस पवित्र त्योहार के महत्व को दर्शाता है। अभिनेत्री ने तस्वीर के साथ कैप्शन लिखा, छठ पूजा की शुभकामनाएं। अनुष्का शर्मा को सिल्वर स्क्रीन पर आखिरी बार शाहरुख खान के साथ फिल्म जीरो में देखा गया था। अनुष्का चकदा एक्सप्रेस में भारतीय क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

बेटी दुआ के साथ दिखी अभिनेत्री दीपिका पादुकोण

मुंबई/एजेन्सी

हिन्दी फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री दीपिका पादुकोण शुक्रवार को अपनी बेटी दुआ के साथ दिखाई दी। मुंबई एयरपोर्ट पर दीपिका अपनी बेटी को गोद में लिए हुए नजर आईं। दीपिका के साथ उनके पति और अभिनेता रणवीर सिंह भी थे। पूरा परिवार एक साथ अपनी पहली छुट्टी मनाने के लिए रवाना हुए हैं। दीपिका और दुआ की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं। तस्वीरों में 'पीकू' स्टार कैजुअल ड्रेस में दिख रही हैं, जबकि रणवीर सिंह गुलाबी रंग की हुडी पहने दिखाई दिए। एक वायरल वीडियो में रणवीर और दीपिका एयरपोर्ट से गुजरते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिसमें अभिनेत्री अपने बच्चे को सीने से लगाए हुए हैं। इस जोड़े के साथ उनके माता–पिता भी एयरपोर्ट पर देखे गए। जैसे ही तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई, प्रशंसक नन्हीं पादुकोण की तारीफ करने लगे। एक यूजर ने कमेंट किया, हे भगवान, किस तरह से दीपिका ने दुआ को पकड़ा है, जबकि दूसरे ने लिखा, हमारी बच्ची दुआ पादुकोण सिंह। बेटी दुआ के साथ दीपिका पहली बार मीडिया के कैमरे में स्पॉट हुई हैं। दीपावली पर दीपिका और रणवीर ने अपनी बेटी की पहली तस्वीर शेयर की और उसका नाम भी बताया। दोनों ने एक पोस्ट में लिखा, दुआ पादुकोण सिंह: 'दुआ' का मतलब प्रार्थना है। दीपिका और रणवीर ने 8 सितंबर को अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। खुशखबरी की घोषणा करते हुए उन्होंने लिखा, बेबी गर्ल का स्वागत है। रणवीर और दीपिका 2013 में ब्लॉकबस्टर फिल्म राम लीला के सेट पर करीब आए। दोनों ने 2018 में इटली में सात फेरे लिए। अभिनेत्री ने इसी साल मां बनने की खुशखबरी फैंस के साथ शेयर की थी। दीपिका के अपने पहले बच्चे की उम्मीद करने की अफवाहें सोशल मीडिया पर तब फैलने लगी जब 77वें बाफ्टा अवार्ड्स में कमर को ढके हुए उनकी तस्वीर खींची गईं।

सोनी सब पर दिसंबर से प्रसारित होगा 'तेनाली रामा'

मुंबई/एजेन्सी

ऐतिहासिक मनोरंजक धारावाहिक 'तेनाली रामा' दिसंबर से सोनी सब पर प्रसारित होगा। सोनी सब पर तेनाली रामा इस दिसंबर में लॉन्च किया जा रहा है। शो के बारे में बात करते हुए, तेनाली की भूमिका निभाने वाले कृष्ण भारद्वाज ने कहा, तेनाली को स्वर्ण युग के भारत के सबसे बेहतरीन विद्वानों में से एक के रूप में जाना जाता है। दर्शक उन्हें एक बुद्धिमान व्यक्ति और गुरु के रूप में देखेंगे, जो उन्हें सभी उम्र के दर्शकों के लिए प्रासंगिक बनाता है। उनकी यात्रा न्याय, समानता और सत्ता संघर्ष जैसे आज के मुद्दों को भी दर्शाएगी, जो आधुनिक भारत के लिए उनकी प्रासंगिकता को प्रदर्शित करेगी, वह भी मजेदार तरीके से। दर्शकों ने इन सभी वर्षों में उनकी छवि को जीवित रखा है, और मैं उन्हें एक ऐसे तरीके से वापस लाने के लिए रोमांचित हूं जो परिचित और ताज़ा रूप से अलग दोनों है।

संत तुकाराम के साथ हिंदी सिनेमा में डेब्यू करेंगी शीना चौहान

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शीना चौहान जल्द ही हिंदी फिल्मों में डेब्यू करेंगी। वह अपकमिंग फिल्म 'संत तुकाराम' में अवली जीजाबाई की प्रमुख और सशक्त भूमिका में नजर आएंगी। आदित्य ओम द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शीना के साथ मराठी अभिनेता सुबोध भावे भी नजर आएंगे। वह इस फिल्म में संत तुकाराम का किरदार निभा रहे हैं। शीना के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भावे ने कहा, मैं पहली बार शीना के साथ काम कर रहा हूं। इसके बावजूद, मैंने पाया कि वह सेट पर एक बहुत ही ईमानदार कलाकार हैं। वह अपने काम को जानती और समझती हैं कि अपने काम पर ध्यान देना और उसके लिए ईमानदार होना कितना महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा, वह वास्तव में निर्देशक के दृष्टिकोण को समझती हैं और जो आवश्यक होता है उसे पूरा करती हैं। चाहे वह भावनात्मक दृश्य हो, हल्का दृश्य या कोई और ही सीन क्यों न हो, वह पूरी ईमानदारी के साथ उसे पूरा करती हैं। ''एक अभिनेत्री के रूप में शीना अपने काम को लेकर सजग हैं और हर पल कुछ नया सीखने के लिए तैयार रहती हैं। उनकी यही बात मुझे सबसे अच्छी लगी। शीना चौहान ने बताया, आधुनिक किरदारों से लेकर अवली जीजाबाई जैसी ऐतिहासिक शख्सियत की भूमिका निभाने तक, मुझे एक अभिनेत्री के रूप में नई गहराइयों को तलाशने का मौका मिला।'' उन्होंने कहा, ''मैंने निर्देशक आदित्य ओम के लिए खुद को एक कोरे कागज की तरह पेश किया। उनके व्यावहारिक निर्देशन ने वास्तव में इस यात्रा को और बेहतर बनाया।

महेश भट्ट ने अनुपम खेर को 'सारांश' का विशेष पोस्टर भेंट किया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्मकार महेश भट्ट ने अपने मित्र और अभिनेता अनुपम खेर को 40 साल पुराना फिल्म सारांश का विशेष पोस्टर भेंट किया है। वर्ष 1984 में,महेश भट्ट ने अपनी कल्ट क्लासिक फिल्म सारांश के लिए राजश्री फिल्म्स के बैनर तले एक 'चमत्कार' के रूप में अनुपम खेर को खोजा। महेश भट्ट ने एक युवा, महत्वाकांक्षी और गुस्से से भरे अभिनेता अनुपम खेर को को पर्दे पर 69 वर्षीय एक दुखी पिता के रूप में ढाला, और उसके बाद तो इतिहास बन गया। अनुपम खेर ने फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और अपनी अद्वितीय अभिनय प्रतिभा के बल पर भारतीय सिनेमा के पन्नों पर हमेशा के लिए अपना नाम लिख दिया। विजय 69 की रिलीज़ के मौके पर, महेश भट्ट ने अपने लंबे समय से दोस्त अनुपम को एक खास 40 साल पुराना सारांश का यादगार पोस्टर भेंट कर चौंका दिया।महेश भट्ट ने अनुपम को एक पत्र भी भेंट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, अनुपम खेर एक चमत्कार हैं।ठीक इस इंडस्ट्री के ठोस कंक्रीट में एक जिद्दी फूल की तरह जो हर बाधा को पार कर खिल उठा है... उन्होंने 542 से अधिक फिल्मों में काम किया है, लेकिन उनके भीतर की भूख अभी भी जीवित है, वैसे ही जैसे तब थी जब वह पहली बार मुझसे मिले थे। वह ज्वाला वह कभी मद्धम नहीं हुई।

महेश भट्ट ने लिखा, 40 साल बाद, 69 की उम्र में, अनुपम अब भी दौड़ रहे हैं,सचमुच। विजय 69 में उनका नया किरदार एक ट्रायथलॉन एथलीट का है, जो उनके जीवन से मेल खाता है। वह हमारी इंडस्ट्री के मैराथन मैन हैं, खुद को वहाँ तक ले जाते हैं जहाँ कई लोग पीछे हट जाते। उनका सफर वहीं लौटता है जहाँ से उन्होंने शुरू किया था एक और असंभव सपने का पीछा करते हुए।चालीस साल बाद, मुझे गर्व है,गर्व है कि उन्होंने कभी लड़ना नहीं छोड़ा, कि उन्होंने उस बेचैन आत्मा को नहीं खोया जिसने उन्हें अनुपम खेर बनाया। तो, यह सलाम है अनुपम को, जो अब भी दौड़ रहे हैं, अब भी सपने देख रहे हैं। उन्होंने हम सबको दिखाया है कि जीवन का कोई पूर्ण विराम नहीं होता; आप तब तक दौड़ते हैं जब तक बत्तियाँ बुझ नहीं जातीं। और 40 साल का जश्न मनाने का इससे बेहतर तरीका क्या होगा कि इसे विजय 69 के साथ मनाया जाए, एक फिल्म जो उनके अथक प्रयासों से मेल खाती है। तीन बार सलाम, अनुपम आप मेरी विरासत हैं।

अनुपम ने महेश का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, तस्वीर में जो आप देख सकते हैं, वह मेरी खुशी है, जब मेरे गुरु, दोस्त, मार्गदर्शक और प्रेरक महेश भट्ट ने मेरे फिल्म इंडस्ट्री में 40 साल पूरे होने पर मुझे बधाई दी! वर्षों से मुझे मेरे काम के लिए बहुत प्यार मिला है, लेकिन आज, मुझे ऐसा महसूस हो रहा है कि मुझे सबसे बड़ा पुरस्कार मिल गया है।इस तस्वीर में जो आप नहीं देख सकते, वे हैं वे अनगिनत आँसू जो इस पल में मेरी आँखों से छलके। आप मेरी भावनाओं को नहीं देख सकते, आप नहीं देख सकते कि महेश भट्ट के इस प्रेम और उदारता के इस इशारे ने मुझे कितना भावुक कर दिया और मुझे बीते पलों की याद दिला दी। उन्होंने मेरे लिए जो लिखा, उसे मैं बार–बार पढ़ता रहा, और मैं स्तब्ध रह गया। मेरे पास बोलने के लिए शब्द नहीं थे, और मैं उनके हाथ पकड़ कर कृतज्ञता में बैठ गया।महेश भट्ट वह व्यक्ति हैं जिन्होंने मुझे एक अभिनेता के रूप में पहचान दी। उन्होंने मुझे उस इंसान और कलाकार के रूप में ढाला, जो मैं आज हूँ। उन्होंने मुझे हर स्तर पर रूपांतरित किया। मैं हमेशा उनका ऋणी रहूँगा कि उन्होंने मुझ पर विश्वास किया।धन्यवाद, महेश भट्ट, आज विजय69 के रिलीज के दिन मुझे ऐसा महसूस कराने के लिए आप ही वह कारण हैं, जो मैं आज यहाँ हूँ।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

नवग्रहों का शुभ या अशुभ प्रभाव व्यक्ति पर समान रूप से हर अवस्था में पड़ता है और ग्रह की चालों के अनुसार उसे विवश होकर चलना पड़ता है। कोई भी इस प्रभाव से बच नहीं सकता। हमारे अच्छे भाग्य के निर्माण का तात्पर्य है, अच्छी जिंदगी की सजावट। जीवन में सुख दुःख के कारक नवग्रह है। ग्रहों की पीडा एवं उनके अशुभ प्रभाव से मुक्ति पाने के लिए जैन धर्म का नमस्कार महामंत्र का जप काफी लाभदायक और कल्याणकारी है।

बुध हमारी ज्ञान वृद्धि का प्रतीक है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने आठ वार की प्रवचनमाला में कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति में प्राचीन संख्या में सात का विशेष महत्व रहा है। योग में चाहे वह पतांजलि हो या सांख्य शास्त्र हो, हमारे शरीर में स्थित सात चक्रों की चर्चा है। मूलाधार से शुरू होकर ये सात चक्र है। इन सात चक्रों के माध्यम से साधक अपनी ऊर्जा को समग्र रूप से कर सकता है, ऐसा योग मंत्र कहता है। स्वर भी सात होते हैं, जो एक लहर का निर्माण करते हैं। इंद्रधनुष को भी सप्तरंगी कहते हैं। हमारी सात वारों की चर्चा चल रही है। इसमें बुध को हम समझें। बुधवार यानी ज्ञान। यह बोध कराने वाला है। यह शब्द ज्ञानार्थक है। इसका एक और अर्थ है गति।

उन्होंने कहा आज बच्चों की बुद्धि पूर्ण विकसित नहीं होती। जो अनुभवियों के साथ चलता है, उसकी बुद्धि चलने वाली होती है। आजकल बच्चों का मुवमेंट बिल्कुल बंद हो गया है। वे अन्य चीजों में स्थिर हो जाते हैं। इस कारण स्टोरेज क्षमता कम हो जाती है। हमारे जानने की शक्ति, ज्ञान क्षमता को कैसे बढ़ा सकते हैं। बुधवार शिक्षा और ज्ञान के क्षेत्र में उत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिए माना जाता है। हमारी स्मरण शक्ति बढ़ाने के लिए कोई भी उपाय कर लें लेकिन जानने की, धारणा की शक्ति को बढ़ाना ही पड़ेगा। किसी भी विषय को धारण करने की शक्ति जीरो लेवल पर पहुंच गयी है। हमारा अभ्यास कम होने के कारण यह धारणा शक्ति कम हो गई है। जब आप स्वाध्याय करते हैं तो वह मस्तिष्क की केपेसिटी को बढाती है। उन्होंने कहा बुध हमारी ज्ञान वृद्धि का प्रतीक है। कुछ चीजों को लिखने का अभ्यास करो और उसको पुनः पढ़ो। यानी हमारी धारणा शक्ति को चलित करना। बुध बुद्धि का स्वामी है। बुद्धि को तेज बनाता है। यह यात्रा करने की प्रेरणा देने वाला है। हमारे जीवन में जो ज्ञान की वृद्धि है, वह धारा को बनाए रखने से होती है। ज्ञान की धारा को निरंतर बनाए रखो। हम निश्चित रूप से बुधवार के द्वारा बुद्धिमता का विकास करें। उन्होंने साध्वी कौमुदीश्री के देवलोकगमन पर भावांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे हमारे संघ के लिए आदर्श थी। आगे भी उन्हें साधना का मार्ग प्रशस्त हो। महासंघ के महामंत्री धर्मीचंद सिंघवी ने बताया कि रविवार को दोपहर प्रवचन होंगे ओर कृतज्ञता ज्ञापन दिवस मनाया जायेगा। इस दौरान पूना, नासिक, इंदौर, सिकंदराबाद, औरंगाबाद, इचलकरणजी, उदयपुर आदि क्षेत्रों से गुरुभक्तगण युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ उपस्थित हुए। राकेश विनायकिया ने सभा का संचालन किया।

दयासदन एडिफ़िस भवन का हुआ भूमि पूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दयासदन अग्रवाल विद्यालय ट्रस्ट ने दया सदन अग्रवाल स्कूल परिसर में अपने नए सभागार, दयासदन एडिफ़िस के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया। भूमि पूजन कार्यक्रम में दिल्ली से तपोनिधि पंचायती आनंद अखाड़े के स्वामी आनंद पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 आचार्य महामंडलेश्वर बालकानंद गिरि जी उपस्थिति होकर सबको अपना आशीर्वाद दिया एवम भवन निर्माण के कार्य का शुभारंभ किया। विद्यार्थियों के चौमुखी विकास के लिए खेल शैक्षणिक, सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए एक सभागार प्राप्त करना दयासदन अग्रवाल ट्रस्ट का अलौकिक दृष्टिकोण था भूमि पूजन के इस शुभ कार्य के अवसर पर दयासदन अग्रवाल विद्यालय ट्रस्ट के सदस्यों तथा दयासदन चिल्ड्रेन्स टाउन और अग्रवाल रिलीफ एंड एजुकेशनल ट्रस्ट के सदस्यों ने, समुदाय की शैक्षिक सुविधाओं को बढ़ाने के लिए अपना-अपना दृष्टिकोण साझा किया।

चेन्नई में संपन्न हुआ छठ महापर्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राष्ट्रीय सीमाओं को पार कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध और प्रकृति से जुड़ा हुआ छठ महापर्व का शुक्रवार को समापन दिवस था। उगते सूर्य को प्रातःकालीन अर्घ्य प्रदान करने के बाद छठव्रतियों ने चार दिनों से चले आ रहे इस महापर्व का समापन किया। तमिलनाडु के चेन्नई महानगर में भी विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने उगते सूर्य को गौ दूध से प्रातः कालीन अर्घ्य दिया और भगवान दीनानाथ से अपनी-अपनी मनोकामना की प्राप्ति हेतु प्रार्थना की।

इस बार चेन्नई के अय्यपनतांगल के टुलिव दक्षिण अपार्टमेंट में छठ पूजा का आयोजन ईश्वर करूण के नेतृत्व में संपन्न हुआ। बड़ी संख्या में आसपास के श्रद्धालुओं ने इसमें भाग लिया। अल्ल सुबह 4:30 बजे से ही छठव्रतियों ने भगवान दीनानाथ की अभ्यर्थना करते हुए जल में खड़े होकर उनका ध्यान किया। पिछले 36 वर्षों से चेन्नई में छठव्रत कर रहीं हिंदू करुण ने बताया कि छठ मैया ने उनकी कई मनोकामना को पूरा किया है।

सभी चेन्नई प्रवासी इस अवसर पर भले बिहार नहीं जा पाते हों, लेकिन चेन्नई के विभिन्न घाटों पर छठ पूजा करते भी हैं और भाग लेकर आनंद भी लेते रहे हैं। छठ मैया की प्रार्थना करते रहे हैं और उनकी महिमा के गीत गाते रहे हैं।

कोयम्बटूर में छठ पूजा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। यहां के उनगर पनी मड़ई के गीता आश्रम में शुक्रवर को आदर्श यूपी समाज द्वारा चट्ठ पूजन का दो दिवसीय कार्यकर्म बड़े हर्ष उल्लास से मनाया गया। आदर्श यूपी समाज कोयंबटूर के अध्यक्ष राजकुमार साहिनी ने सभी का स्वागत किया। संचालन पूर्व अध्यक्ष मानेश्वर सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बिहार, यूपी, झारखंड और बंगाल राज्यों के प्रवासियों ने भाग लिया। गुरुवार को प्रात:कालीन अर्घ्य के साथ गंगा जल से सूर्य का पूजन किया गया।

समाज के प्रति समर्पित संस्था है जीतो : साध्वी विपुलदर्शना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नार्थ चैप्टर के नए अध्यक्ष विमल कटारिया ने अन्य सदस्यों के साथ शहर में विराजित विभिन्न साधु साध्वियों के दर्शन किए। जीतो सदस्यों ने श्रीरामपुरम स्थानम में विराजित साध्वीश्री विपुलदर्शनाश्रीजी के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि जरूरतमंदों को हर कदम पर सहयोग में तत्पर जैन समाज की सबसे बड़ी संस्था जीतो आज समाज की शिक्षा-सेवा व आर्थिक सुदृढ़ता में सहयोग के लिए समर्पित है। साध्वीश्री ने जेएटीएफ के माध्यम से चलाई जा रही सिविल परीक्षाओं की तैयारी प्रशिक्षण से समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को संजोने का तथा समाज को प्रशासनिक अधिकारी देने का कार्य अति प्रशंसनीय है।

इस मौके पर अध्यक्ष विमल कटारिया ने कहा कि चरित्रात्माएं आज न केवल संपूर्ण समाज को धर्म से जोड़ने का कार्य कर रही है, अपितु समाजोत्थान के लिएसेवा में अग्रसर समाज की संस्थाओं को मार्गदर्शन का कार्य भी करते है। उन्होंने कहा कि श्रमण आरोग्यम जैसी जीतो की महत्वाकांक्षी योजना के द्वारा साधु-साध्वियों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता तथा विहार धामों द्वारा विहार के दौरान साधु-साध्वी भगवंतों की वैयावच्छ सेवा में भी जीतो समर्पण भाव से कार्य कर रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि आने वाले समय में चार अन्य विहार धाम का निर्माण की योजना उनकी कार्य योजना में है। जीतो सदस्य श्रीरामपुरम स्थानक में आयोजित कर्नाटक गजकेशरी गणेशीलालजी म.सा. के जयंती समारोह में शामिल हुए। महामंत्री विजय सिंघवी ने श्रीरामपुरम संघ में गतिमान वैयावच्छ सेवा में जीतो नॉर्थ की ओर से अर्थ सहयोग की घोषणा की। कोषाध्यक्ष नरेंद्र आच्छा ने गुरु गणेश को उनके जन्म दिवस पर याद करते हुए उनके गुणों का बखान किया।

जीतो नॉर्थ के श्रमण आरोग्यम योजना संयोजक दिनेश खिंवेसरा ने कहा कि श्रमण आरोग्यम योजना से वंचित साधु-साध्वी भगवंतों के कार्ड बनाने हेतु जीतो नॉर्थ प्रयासरत है।

साध्वी के दर्शनार्थ जीतो नॉर्थ के सचिव अशोक भंडारी व मदन मुणोत, कार्यकारिणी सदस्य नेमीचंद दलाल, सुनील लोढ़ा, प्रीतेश जैन, सतीश पोरवाड, राकेश पोखरणा, श्रीरामपुरम अध्यक्ष शांतिलाल खिवेंसरा, मंत्री अशोक गुगलिया, सहमंत्री सिद्धार्थ बोहरा इत्यादि भी उपस्थित थे।

स्वजन सेवा सहयोग की छठ पूजा में उमड़े श्रद्धालु

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय स्वजन सेवा सहयोग के तत्वावधान में आयोजित छठ पूजा महोत्सव में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा, सभी श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा से सूर्य को अर्घ्य दिया। संगठन के अध्यक्ष सुनील पंडित और उनकी टीम ने कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली। इस अवसर पर केआर पुरम के विधायक बैरती बसवराज, पार्षद जयप्रकाश, श्रीराम, शिवकुमार समेत कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थिति रही।

शुभोत्सव दिवाली स्नेह मिलन में मेधावी छात्रों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माहेश्वरी सभा के शुभोत्सव दिवाली स्नेह मिलन में मेधावी छात्रों का सम्मान 10 नवंबर को स्थानीय डी जी वैष्णव कॉलेज के सभागार में किया जाएगा। ज्ञातव्य है कि इस प्रकार का सम्मान फलोर ब्रदर्स चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रति वर्ष किया जाता है। सभा अध्यक्ष डॉ. अशोक जे. मुँधड़ा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीएवी ग्रुप ऑफ स्कूल के ऑनरेरी सेक्रेटरी विकास आर्य होंगे।

कार्यक्रम के संयोजक श्रीमोहन दमानी ने बताया कि तमिलनाडु, केरल और पांडिचेरी प्रादेशिक स्तर पर कुल 31 मेधावी छात्रों का सम्मान किया जाएगा। इसमें सीबीएसई की दसवीं कक्षा से 12, एसएसएलसी से 1, सीबीएसई की बारहवीं कक्षा से 12, चार्टेड अकाउंट से 4, और डॉक्टर बनने पर 2 छात्रों का सम्मान किया जाएगा। कुल मिलाकर 28 छात्र-छात्राओं का सम्मान होगा। सचिव संजय मूंदड़ा ने बताया कि दिवाली स्नेह मिलन के अवसर पर श्री माहेश्वरी क्लब द्वारा एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा, जिसकी तैयारी जोर-शोर से चल रही है।

तेयुप राजराजेश्वरीनगर का 'रिश्ते की डोर' कार्यक्रम आज

आज सुबह होगा आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेन्टर का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर की ओर से 'रिश्तों की डोर' सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन आज शनिवार को किया जा रहा है जिसमें जाने माने गायक कलाकार विक्की पारेख अपनी भावात्मक प्रस्तुति देंगे। अध्यक्ष बिकास छाजेड़ ने बताया कि यह आयोजन शनिवार को शाम 5 बजे शंतिनगर स्थित सेन्ट जोसेफ यूनिवर्सिटी आडिटोरियम में होगा। मंत्री सुपार्श्व पटावरी ने बताया कि इस कार्यक्रम के प्लेटिनम प्रायोजक गुरु पुण्यवाणी कम्पनी के हनुमानमल, संजय बैद परिवार है साथ ही अन्य प्रतिष्ठान व परिवार अन्य सहयोगी भी है।

संयोजक विक्रम मेहर ने बताया कि इसी दिन शनिवार को सुबह 9 बजे आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेन्टर, डेन्टल व आई केयर का शुभारंभ की होगा। शयर-हीरालाल मालू परिवार इस सेन्टर का उदघाटन करेंगे। कमलेश भरत डूंगरवाल परिवार डेन्टल चेयर के प्रायोजक हैं।

नन्दन फुटबॉल स्टेडियम में आयोजित छठ पूजा में दिखा विशेष उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय भोजपुरी समाज सेवा समिति के तत्वावधान में छठ पूजा का आयोजन आस्टिन टाउन स्थित नन्दन फुटबॉल स्टेडियम में किया गया। संस्थापक अध्यक्ष एवं चेयरमैन संजयसिंह उज्जैन ने बताया कि आयोजन में दस हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। छठ पूजा समारोह में बेंगलूरु सेंट्रल के सांसद पी सी मोहन, पूर्व पार्षद शशि रेखा, रघु, भारतीय स्टेट बैंक के जनरल मैनेजर सुशीलकुमार सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष संजयसिंह उज्जैन, महासचिव ललितेश्वर प्रसाद सिंह, सचिव गिरीशचन्द्र पाण्डेय एवं कोषाध्यक्ष जे बी सिह ने नए सदस्यों का सम्मान किया। प्रसाद वितरण के उपरांत कार्यकताओं व सेवा बिग्रेड के सदस्यों को सम्मानित किया गया।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के श्री स्वामीनारायण मंदिर बीएपीएस संस्था के प्रमुख जीवनदास स्वामी, साधु निर्मल हृदयदास स्वामी एवं मंदिर के मुख्य कार्यकर्ता रोहितभाई शाह और भरत भाई मेहता ने राजभवन में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की। बीएपीएस संस्था के अध्यक्ष महंत स्वामी महाराज की ओर से राज्यपाल को नूतन वर्ष की शुभकामना व भगवान श्री स्वामीनारायण और श्री अक्षर पुरुषोत्तम महाराज के भोग लगे अन्नकूट प्रसाद एवं स्मृति चिह्न भेंट किया गया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.